दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-186 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 30 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस समाज में दिखावे की आवाज़ सच से ऊँची हो जाती है, वहाँ इंसान धीरे-धीरे रिश्तों से नहीं, बल्कि अपने ही विवेक से दूर होने लगता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'भाषणों में विश्वगुरु, जमीन पर आर्थिक मजबूरी : क्या हमारी विदेश नीति और आर्थिक प्रबंधन सवालों के घेरे में हैं?'

भारत आज वैश्विक मंचों पर स्वयं को एक उभरती हुई महाशक्ति और 'विश्वगुरु' के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है। बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत की विदेश नीति की सफलता के दावे किए जाते हैं, लेकिन दूसरी ओर जब यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे क्षेत्रीय संघर्ष का असर भारत की आम जनता की रसोई, जेब और जीवनशैली पर सीधा दिखाई देने लगे, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमारी आर्थिक और विदेश नीति वास्तव में उतनी मजबूत है, जितना उसका प्रचार किया जाता है? यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अस्थिरता, रसोई गैस के बढ़ते दाम, खाद्य पदार्थों की महंगाई और डॉलर के मुकाबले रुपये की लगातार कमजोर होती स्थिति ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि सरकार स्वयं जनता से अपील कर रही है कि लोग सोना कम खरीदें, विदेश यात्राएं टालें, ईंधन की खपत घटाएं और पारंपरिक चूल्हों का उपयोग करें। यह संदेश कहीं न कहीं इस बात की ओर संकेत करता है कि आर्थिक दबाव सरकार के स्तर पर गंभीर रूप से महसूस किया जा रहा है।

यह सवाल भी जनता के मन में उठता है कि यदि देश की विदेश नीति इतनी प्रभावशाली है, तो भारत की मुद्रा लगातार कमजोर क्यों हो रही है? डॉलर के मुकाबले रुपये का गिरना केवल आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि देश की आर्थिक क्षमता और वैश्विक विश्वास का दर्पण भी होता है। जब भारत से छोटे और कमजोर देशों की मुद्राएं भी अपेक्षाकृत स्थिर दिखाई देती हैं, तब आम नागरिक का चिंतित होना स्वाभाविक है। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो एक और विडंबना सामने आती है। चुनावों के दौरान महंगाई नियंत्रित दिखाई देती है, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहते हैं और जनता को राहत का वातावरण महसूस कराया जाता है। लेकिन जैसे ही चुनाव समाप्त होते हैं, आर्थिक संकट और महंगाई की चर्चा तेज हो जाती है। इससे आमजन के मन में यह धारणा बनने लगती है कि आर्थिक नीतियों का संचालन दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की बजाय राजनीतिक सुविधाओं के आधार पर हो रहा है। कोरोना काल का उदाहरण भी जनता के मन में कई सवाल छोड़ गया। जब देश महामारी और लॉकडाउन जैसी त्रासदी से गुजर रहा था, उससे पहले बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और राजनीतिक कार्यक्रमों पर भारी खर्च किए गए। 'नमस्ते ट्रंप' जैसे आयोजनों में करोड़ों रुपये खर्च हुए। आज जब आर्थिक संकट की बात हो रही है, तब जनता यह पूछने का अधिकार रखती है कि क्या उस समय राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग अधिक विवेकपूर्ण ढंग से नहीं किया जा सकता था? विदेश यात्राओं और अंतरराष्ट्रीय छवि निर्माण की राजनीति भी अब जनता की आलोचना के घेरे में है। जनता यह देख रही है कि जब देश में बेरोजगारी, महंगाई, पंचायत चुनावों में देरी, ग्रामीण अव्यवस्था और स्थानीय प्रशासनिक संकट गहराते जा रहे हैं, तब सत्ता का बड़ा हिस्सा प्रचार और विदेश यात्राओं में अधिक व्यस्त दिखाई देता है। लोकतंत्र केवल भाषणों और नारों से नहीं चलता, बल्कि जमीनी व्यवस्था की मजबूती से चलता है।

ग्रामीण भारत की स्थिति इस समय सबसे अधिक चिंताजनक दिखाई देती है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पंचायत चुनाव समय पर नहीं हो पाने से गांवों की लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हुई है। चुनी हुई ग्राम सरकारों के अभाव में प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही कम हुई है और नौकरशाही का प्रभाव बढ़ा है। गांवों की गलियों में गंदगी, पानी की समस्या, विकास कार्यों की धीमी गति और आमजन की परेशानियां यह संकेत देती हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत–स्थानीय स्वशासन–कमजोर हो रहा है। भारत की ताकत केवल बड़े शहरों, विदेशी निवेश या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तालियों से नहीं मापी जा सकती। असली ताकत तब दिखाई देगी, जब गांव का किसान, मजदूर, बेरोजगार युवा और मध्यमवर्गीय परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करेगा। जब जनता को अपनी जरूरतों के लिए बार-बार त्याग और संयम का संदेश दिया जाए, तब सरकारों को भी अपने खर्च, प्राथमिकताओं और नीतियों का आत्ममंथन करना चाहिए। यह समय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर गंभीर चिंतन का है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मजबूत विदेश नीति का अर्थ केवल विश्व मंच पर प्रभावशाली भाषण देना नहीं, बल्कि देश की जनता को आर्थिक स्थिरता, मजबूत मुद्रा, सस्ती ऊर्जा और भरोसेमंद जीवन देना भी है। यदि आम नागरिक लगातार महंगाई, बेरोजगारी और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहा है, तो केवल 'विश्वगुरु' के नारे उसकी पीड़ा को कम नहीं कर सकते। देश को आज ऐसी नीतियों की आवश्यकता है, जो दिखावे की राजनीति से ऊपर उठकर वास्तविक आर्थिक आत्मनिर्भरता, मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे और जनकल्याण पर आधारित हों। क्योंकि अंततः किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता होती है–और जब जनता ही परेशान हो, तो विकास के बड़े-बड़े दावे खोखले प्रतीत होने लगते हैं।

भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का वज्रप्रहार

एक आईएएस सहित 103 अफसर निलंबित, 6 बर्खास्त

11 की रोकी आजीवन पेंशन, 108 प्रकरणों में दी अभियोजन स्वीकृति

भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी सुशासन देने के लिए सरकार ने दिखाए कड़े तेवर

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्ट और लापरवाह अफसरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दे दिया है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कड़े तेवर दिखाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर ढाई वर्ष में एक आईएएस अधिकारी सहित 103 अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। उन्होंने रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरूपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

कोर्ट में दोषी साबित हुए तो सीधे बर्खास्तगी

रिश्वत, आय से अधिक संपत्ति और पद का दुरूपयोग करने पर अधिकारियों को न्यायालय में दोष सिद्ध होने के बाद तुरंत सेवा से निकाल बाहर किया गया। पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन विकास अधिकारी (सुवाणा, भीलवाड़ा) भरत प्रकाश मेघवाल, तत्कालीन कृषि उप निदेशक (झुंझुनूं) राजेश कुमार नैनावत, तत्कालीन सहायक आयुक्त भरतपुर (वित्त कर) महावीर सिंह आसीवाल, तीन चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम मोहन सिंह चौहान (सीएचसी बिछीवाड़ा, डूंगरपुर), डॉ. मुरलीधर शर्मा (सीएचसी रामगढ़ पचवारा, दौसा) और डॉ. मनोहर लाल (सीएचसी रामगढ़, अलवर) को सेवा से बर्खास्त किया गया है।

जनता को मिलेगा साफ-सुथरा प्रशासन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो अफसर जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता। सरकार ने 11 अधिकारियों को भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों में आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोक कर दण्डित किया है, जिनमें बनवारी लाल मीणा, आरएएस, तत्कालीन उप सचिव (नगर विकास न्यास, अलवर), डॉ. शिवनारायण यादव, तत्कालीन वरिष्ठ चिकित्साधिकारी (सीएचसी, नीमराणा, अलवर), देवेन्द्र सिंह ढिल्लो, आरएएस, उप सचिव (नगर विकास न्यास, अलवर), मनोहर लाल सिसोदिया, तत्कालीन विकास अधिकारी (कपासन), तत्कालीन कनिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कोठारी (सीएचसी मांडलगढ, भीलवाड़ा), डॉ. कल्पना श्रीवास्तव, तत्कालीन चिकित्साधिकारी, (गंगरार-चित्तौडगढ़), नृसिंह रेबारी, तत्कालीन सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी (प्रतापगढ़), सुरेश माथुर, तत्कालीन अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी (जैसलमेर), महेन्द्र सिंह, आरपीएस, तत्कालीन वृत्ताधिकारी (सवाई माधोपुर), डॉ. लक्ष्मण दत्त शर्मा, तत्कालीन चिकित्साधिकारी (निवाई-टोंक) एवं डॉ. अविनाश कुमार शर्मा, तत्कालीन सहायक निदेशक, पशुधन विकास (बांसवाड़ा) शामिल हैं।

जनता के पीने के पानी से खिलवाड़ करने पर गई नौकरी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंजा कसते हुए एक और बड़ी कार्रवाई की है। पीएचईडी की अलवर प्रयोगशाला के वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती ने पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार की। मुख्यमंत्री ने ऐसे घोर लापरवाह अधिकारी को तत्काल सेवा से बाहर करने का निर्णय लिया। इसी तरह, हरिसिंह मीना (तत्कालीन एपीपी, एसीजेएम-4, कोटा) को एसीबी कोर्ट द्वारा सजा सुनाये जाने के बाद नौकरी से हटाया।

और किस पर क्या कार्रवाई -

अनिवार्य सेवानिवृत्ति- डॉ. विलास राव गुल्हाने (तत्कालीन वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, झालावाड़) आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोकी- देशराज नूनिया (तत्कालीन अधिशाषी अभियंता, आईजीएनपी मोहनगढ़, जैसलमेर)

अभियोजन स्वीकृति- देवी सिंह (तत्कालीन एसडीएम, डीग), डॉ. पवन कुमार जैन (तत्कालीन बीसीएमओ, लालसोट), मायालाल सैनी (तत्कालीन एक्सईएन पीएचईडी अलवर), राकेश चौहान (तत्कालीन एईएन पीएचईडी अलवर), गोपाल लाल कुमावत (तत्कालीन लेखाधिकारी, राज. जलप्रदाय एवं सीवरेज बोर्ड, जयपुर), राकेश सिंह (तत्कालीन एईएन पीएचईडी नीमराना), प्रदीप कुमार (तत्कालीन जेईएन पीएचईडी नीमराना), विशाल सक्सेना (तत्कालीन एक्सईएन पीएचईडी शाहपुरा), महेन्द्र प्रकाश सोनी (तत्कालीन एसीई विशेष परियोजना, अजमेर)

कांस्टेबल भींवाराम को शहीद का दर्जा देने की मांग, विधायक काला ने पुलिस महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने जयपुर में पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर कांस्टेबल भींवाराम को शहीद का दर्जा देने की मांग की है। इस दौरान उनके साथ उदयपुरवाटी विधायक भगवानराम सैनी भी मौजूद रहें। पुलिस महानिदेशक को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि चालक भींवाराम मेघवाल ने हमेशा पूरी निष्ठा, साहस और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया। बीते 17 मई को पुलिस गश्त के दौरान बदमाशों का पीछा करते समय उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें उनका असामयिक निधन हो गया। कर्तव्य पालन के दौरान हुआ यह हादसा और उनका बलिदान बेहद दुखद है।विधायक काला ने ज्ञापन में लिखा कि भींवाराम मेघवाल ने अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया है। उनके निधन से परिवार, समाज और पुलिस विभाग को बड़ी क्षति पहुंची है। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें 'शहीद' का दर्जा दिया जाना न्यायोचित होगा।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि भींवाराम मेघवाल को जल्द से जल्द शहीद का दर्जा दिया जाए और उनके परिवार को उचित सम्मान व सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को संबल मिल सके और समाज में सेवा व बलिदान की भावना को बढ़ावा मिले।

खातियों की ढाणी के सुशील गुर्जर का इंडियन आर्मी में चयन, लाइब्रेरी में हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया नगर स्थित खातियों की ढाणी निवासी सुशील गुर्जर पुत्र रामावतार गुर्जर का भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयन होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। इस उपलब्धि पर झड़ाया श्री बालाजी ई-मित्र एवं लाइब्रेरी में शुक्रवार को सम्मान समारोह आयोजित कर सुशील का अभिनंदन किया गया। बालाजी ई-मित्र एवं लाइब्रेरी के संचालक अशोक जांगिड़ ने बताया कि सुशील गुर्जर ने सेना भर्ती की तैयारी लाइब्रेरी में अध्ययन करते हुए की थी। चयन के बाद उन्होंने अन्य विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किए और सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, मेहनत तथा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में अशोक जांगिड़ ने कहा कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही सफलता अर्जित की जा सकती है। इस अवसर पर सुशील गुर्जर का सनातन हिंदू धर्म का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विकेश जांगिड़, विकास जांगिड़ एवं सुमित भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए माता-पिता और गुरु के सम्मान तथा उनके मार्गदर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला।सुशील गुर्जर के सेना में चयन होने पर उनके परिवार, गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर अशोक जांगिड़ ने कहा कि भविष्य में लाइब्रेरी से सरकारी सेवा में चयनित होने वाले विद्यार्थियों का भी इसी प्रकार सम्मान किया जाएगा, ताकि अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिल सके।

पेट्रोल-डीजल महंगाई व नीट पेपर लीक के विरोध में खेतड़ी में कांग्रेस का हल्ला बोल

युवाओं की आत्महत्या पर जताया शोक, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, महंगाई, नीट पेपर लीक प्रकरण तथा भीषण गर्मी में बिजली-पानी की कटौती को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खेतड़ी में भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खेतड़ी उपखंड कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर

नारेबाजी की तथा महामहिम राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार प्यारेलाल चावला को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों ने युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का विश्वास टूटता जा रहा है। नेताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आमजन का जीवन संकट में है, वहीं भीषण गर्मी में बिजली-पानी की कटौती ने लोगों की परेशानियां और बढ़ा दी हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक प्रकरण से आहत होकर आत्महत्या करने वाले युवाओं को मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए युवाओं को न्याय दिलाने और पेपर लीक माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शकुंतला यादव, खेतड़ी विधानसभा कांग्रेस प्रभारी प्रवीण जाखड़, जिला उपाध्यक्ष गोकुलचंद सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रथम बलराम गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष द्वितीय राम अवतार सैनी, शहर अध्यक्ष निकेश पारीक, सुधीर गुप्ता, पूर्व लोकपाल महावीर प्रसाद तोगड़िया, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा, चंदगीराम सैनी, केशव प्रसाद, अनूप पटेल, नासिर हुसैन, आकाश चौधरी, सत्यवीर महारानियां, विनोद सोनी, प्रेम चंदेला, अब्दुल गफ्फार, इंद्राज सैनी, शिवराम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार युवाओं, किसानों और आमजन की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हुई तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

नीमराना में NIA की बड़ी कार्रवाई: पाकिस्तानी गैंगस्टर से जुड़े युवक के घर रेड, पिता हिरासत में

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । नीमराना क्षेत्र में गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक के घर पर छापा मारा। यह युवक पाकिस्तानी गैंगस्टर के संपर्क में था और पंजाब में हथियारों की तस्करी के मामले में पहले ही पुलिस द्वारा पकड़ा जा चुका है। एनआईए की टीम ने नीमराना पुलिस थाने की मदद से जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी युवक नीमराना का रहने वाला है। कुछ समय पहले पंजाब पुलिस ने उसे हथियारों की तस्करी के दौरान गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि उसके तार पाकिस्तान में बैठे एक कुख्यात गैंगस्टर से जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी को जोड़ने के लिए एनआईए की टीम गुरुवार सुबह नीमराना पहुंची और आरोपी के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया। जांच के दौरान एनआईए ने आरोपी के पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के स्थानीय नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही हथियारों की तस्करी के लिए फंडिंग और सप्लाई चेन की भी जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एनआईए की टीम को पूरा सहयोग दिया जा रहा है। पुलिस थाना नीमराना परिसर में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है। स्थानीय लोग इस रेड को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। एनआईए अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है। पंजाब में पकड़े गए आरोपी से मिले इनपुट के आधार पर ही नीमराना में रेड की गई है। फिलहाल दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। फिलहाल एनआईए ने मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है। सुरक्षा एजेंसियां आरोपी के बैंक खातों, मोबाइल रिकॉर्ड और सोशल मीडिया कनेक्शन को भी खंगाल रही हैं।

वैश्विक उथल-पुथल से किचन का बजट बिगड़ा, खाद्य तेल 13 फीसदी महंगा

एफएमसीजी कंपनियों पर भी बढ़ा बोझ, पैकेज्ड फूड भी होगा महंगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल का सीधा असर अब भारतीय घरों की रसोई पर दिख रहा है। फरवरी से अब तक खाद्य तेलों की थोक कीमतों में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती महंगाई के बाद खाद्य तेलों की यह नई मार उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी चिंता बन गई है। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में तनाव से परिवहन, बीमा और शिपिंग लागत में भारी वृद्धि हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से पाम तेल का आयात भी महंगा हुआ है। इसके अलावा, इंडोनेशिया के बायोफ्यूल में 50 फीसदी पाम तेल मिश्रण कार्यक्रम से वैश्विक आपूर्ति और घट सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत अपनी लगभग 60 फीसदी खाद्य तेल जरूरतें आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकटों का असर यहां तेजी से महसूस होता है। बढ़ती ईंधन कीमतें किसानों की लागत और माल ढुलाई खर्च भी बढ़ा रही हैं। इसका असर अब एफएमसीजी सेक्टर पर भी दिख रहा है। नमकीन, बिस्कुट और बेकरी आइटम बनाने वाली कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ गई है। उद्योग विशेषज्ञ मानते हैं कि कंपनियां जल्द ही यह बोझ उपभोक्ताओं पर डालेंगी, जिससे पैकेज्ड फूड भी महंगा हो जाएगा।

वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- आरबीआई

मजबूत वृहद आर्थिक आधार, पूंजीगत व्यय और बेहतर बैंकिंग बही-खाते वृद्धि को देंगे सहारा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए बताया कि देश के मजबूत वृहद आर्थिक आधार, कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के बेहतर बही-खाते और सरकार के पूंजीगत व्यय पर जोर से आगामी वित्त वर्ष में वृद्धि को बल मिलेगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अन्य वैश्विक चुनौतियां प्रमुख जोखिम बनी रहेंगी। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद भारत की वृद्धि गति मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में उभरे भू-राजनीतिक जोखिम, विशेषकर पश्चिम एशिया में संघर्ष का लंबा खिंचना, वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों के लिए एक नकारात्मक जोखिम उत्पन्न कर सकता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। इसके बावजूद रिपोर्ट में कहा गया कि मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भी वृद्धि को गति देगा। कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगा। अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करती है, हालांकि हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभावों को आंशिक रूप से कम कर सकती है। मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं, लेकिन सरकार के विविध स्त्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों से इन चिंताओं को कम करने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने कहा कि 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य (4 प्रतिशत, दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ) के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो। यह पर्याप्त खाद्यान्न भंडार और जलाशयों में जल स्तर के कारण संभव होगा। भविष्य की पहल के तौर पर आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के परीक्षणात्मक उपयोग का विस्तार करने और वित्तीय परिसंपत्तियों के टोकनाइजेशन पर विचार कर रहा है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,092 , निफ्टी 359 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह भारतीय बजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर संशय पनपने से बाजार नीचे आने लगा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 359.40 अंक टूटकर 23,547.75 पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,220.02 तक पहुंचा। वहीं निफ्टी 24,002.80 तक उछला। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.85 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2.47 फीसदी की गिरावट, निफ्टी मेटल में 2.02 फीसदी की गिरावट और निफ्टी वित्तीय सेवाओं में 2.02 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.60 फीसदी की बढ़त रही। आज एचसीएल टेक, विप्रो, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही।

वहीं इंडिगो, ओएनजीसी, मैक्सहेल्थ, आयशर मोटर के के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 471 लाख करोड़ रुपए से गिरकर करीब 465 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.91 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया पांच पैसे मजूबत होकर 95.53 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के अवसर पर गुरुवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 99.09 पर रहा।

नेट न्यूट्रैलिटी विवाद में कूदी वीआई, एयरटेल की 5जी प्राथमिकता पर जताई चिंता

कंपनी ने कहा, सबको समान इंटरनेट अनुभव मिलना चाहिए

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने हाल ही में भारती एयरटेल की कुछ 5जी-आधारित पोस्टपेड योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कंपनी का मानना है कि ये योजनाएं, जो कुछ ग्राहकों को प्राथमिकता वाली नेटवर्क सेवाएं प्रदान करती हैं, नेट न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों का उल्लंघन कर सकती हैं और सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समान इंटरनेट अनुभव के अधिकार को प्रभावित कर सकती हैं।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब संसद की एक स्थायी समिति भी ऐसी सेवाओं की वैधता की जांच कर रही है। सभी के लिए समान और सुलभ इंटरनेट कनेक्टिविटी को खतरे में देखते हुए, दूरसंचार परिचालक वोडाफोन आइडिया ने भारती एयरटेल की 5जी स्लाइसिंग पर आधारित प्राथमिकता वाली पोस्टपेड योजनाओं पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। वीआई ने उपभोक्ता हितों को प्रमुखता देते हुए तर्क दिया है कि किसी उपयोगकर्ता के प्रोफाइल के आधार पर विशेष नेटवर्क गति या सेवाएं प्रदान करना नेट न्यूट्रैलिटी नियमों का उल्लंघन है और डिजिटल तंत्र की समानता पर सवाल उठाता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत की डिजिटल वृद्धि सभी के लिए किफायती और सुलभ कनेक्टिविटी पर टिकी है। उन्होंने जोर दिया कि हर उपभोक्ता को एक समान और निर्बाध नेटवर्क अनुभव मिलना चाहिए।

भारत को डिजिटल वृद्धि जारी रखने के लिए तकनीक में प्रगति के साथ-साथ, नवाचार और पैसा बनाने के मॉडल में सभी ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता देना जरूरी है। पारदर्शिता और सब तक इसकी उपलब्धता अहम हैं।

जापान नहीं जाएगा भारतीय आम, आम निर्यातक और किसान की बढ़ी चिंता

अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया में मिलीं तकनीकी खामियां

नई दिल्ली।

भारतीय आमों की मिठास इस बार जापान तक नहीं पहुंच पाएगी। करीब दो दशक पहले हटाए गए प्रतिबंध के बाद लगातार जारी भारतीय आमों के निर्यात पर जापान ने एक बार फिर अस्थायी रोक लगा दी है। इस फैसले से आम निर्यातकों और किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह प्रतिबंध ऐसे समय लगाया गया है जब अप्रैल से जून के बीच आमों का निर्यात अपने चरम पर होता है। इस रोक का सबसे ज्यादा असर अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी आम किस्मों पर पड़ेगा, जिनकी जापान में अच्छी मांग है।

जानकारी के मुताबिक जापान हर साल आम के निर्यात सीजन से पहले अपनी क्वारंटीन टीम भारत भेजता है। यह टीम उन वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्रों का निरीक्षण करती है, जहां जापान भेजे जाने वाले आमों को प्रोसेस किया जाता है। इस प्रक्रिया में आमों को गर्म और नमी वाली हवा में रखा जाता है ताकि फल मक्खियों और अन्य कीटों को खत्म किया जा सके। जापान के लिए आम निर्यात करने में यह प्रक्रिया अनिवार्य है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल मार्च में उत्तर प्रदेश के रहमानपुर स्थित वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्र का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान जापानी अधिकारियों को वहां सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया से जुड़ी कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। हालांकि दोनों देशों की सरकारों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वास्तव में कौन-कौन सी कमियां मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि

मौजूदा निर्यात सीजन के दौरान यह समस्या सुलझ पाएगी या नहीं। जापान के प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन और भारत की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अभी तक किसी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। इस कारण निर्यातकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।

बता दें जापान ने पहली बार 1986 में भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि उसे फल मक्खियों के संक्रमण का खतरा था। करीब 20 साल बाद 23 जून 2006 को यह प्रतिबंध हटाया गया था और उसके बाद भारत से जापान को आमों का निर्यात दोबारा शुरू हुआ। जापान ने केवल छह भारतीय किस्मों अल्फांसो, केसर, बंगनपल्ली, लंगड़ा, चौसा और मलिका को आयात की अनुमति दी थी। इन आमों को निर्यात से पहले वेपर हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य किया गया था। हालांकि जापान भारतीय आमों का सबसे बड़ा बाजार नहीं है, लेकिन यह प्रीमियम बाजार माना जाता है। जापान में भारतीय आमों को ऊंची कीमत मिलती है, इसलिए यह प्रतिबंध निर्यातकों की कमाई पर सीधा असर डाल सकता है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच अर्थव्यवस्था मजबूत, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली।

वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।वहीं, चालू खाता घाटा निर्धारित स्तर के अंदर बना हुआ है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी वार्षिक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई ने रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बने रहने के बावजूद, स्थिर घरेलू मांग और मजबूत सेवा क्षेत्र के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 में भी मजबूत बनी रही। खाद्य पदार्थों में अपस्फीति और मजबूत अनुकूल आधार प्रभाव के कारण मुख्य महंगाई दर में नरमी आई। वहीं, जमा और ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र सरकार राजकोषीय समेकन जारी रखे हुए हैं और पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर दिया है। वहीं, वैश्विक अनिश्चितता में इजाफे के बाद भी बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है। आरबीआई के मुताबिक 2025-26 में चालू खाता घाटा अपने निर्धारित स्तर के भीतर ही रहा और विदेशी मुद्रा भंडार पर्याप्त स्तर पर बना रहा, जिससे व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को समर्थन मिला। भारतीय वित्तीय बाजारों ने लचीलापन प्रदर्शित किया, जिसमें मुद्रा बाजार दरें नीतिगत रेपो दर और मौजूदा तरलता स्थितियों के अनुरूप विकसित हुईं। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2025-26 में इक्विटी बाजारों में द्विदिशात्मक गति देखी गई। एक तरफ सहायक मौद्रिक और राजकोषीय नीति उपायों ने बाजार भावना को बेहतर बनाया, जबकि भू-राजनीतिक और टैरिफ अनिश्चितताओं, और एआई से संबंधित चिंताओं से उत्पन्न नकारात्मक वैश्विक संकेतों ने दबाव बनाने का काम किया। वहीं, अप्रैल 2025 में अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी झटकों के बाद भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहा। देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर निवेश, उपभोग में वृद्धि और सेवा क्षेत्र में मजबूती और आपूर्ति पक्ष में औद्योगिक गतिविधि में सुधार से गति मिल रही है।

भारत-कनाडा ने व्यापार एवं निवेश मंच का अनावरण किया

व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और संपर्क मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली ।

भारत और कनाडा ने आपसी व्यापारिक सहयोग को नई गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

दोनों देशों ने संयुक्त रूप से एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य व्यवसायों को एक साथ लाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया कनाडा यात्रा के समापन के बाद शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। इस नए मंच का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और व्यावसायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। बयान में कहा गया है कि भारत और कनाडा ने लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की है, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। मंत्री गोयल ने अपनी तीन दिवसीय (25-27 मई) कनाडा यात्रा के दौरान व्यापार जगत के कई दिग्गजों से मुलाकात की और अपने कनाडाई समकक्ष मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। यह कदम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

पेट्रोल पंप पर अब ग्राहक चुन सकेंगे अपना इथेनॉल ब्लेंड्स

सरकारी व निजी तेल कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश

नई दिल्ली । भारत सरकार ने देश के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को एक बड़ी सुविधा देने का ऐलान किया है। अब वाहन मालिक अपनी गाड़ी के इंजन की क्षमता और अनुकूलता के हिसाब से ई20, ई22, ई25 और ई30 जैसे अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल विकल्पों में से अपनी पसंद का ईंधन चुन सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सरकारी तेल कंपनियों के साथ-साथ निजी रिटेलर्स जैसे जियो-बीपी, नायरा और शेल को भी आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत देश भर के पेट्रोल पंपों पर विभिन्न इथेनॉल ब्लेंड्स के लिए अलग-अलग नोजल और डिस्प्ले की व्यवस्था की जाएगी।कंपनियों को नई डिस्पेंसिंग यूनिट्स, स्टोरेज सिस्टम, ब्लेंडिंग कंट्रोल और ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले तंत्र में निवेश करना होगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए पंपों पर इथेनॉल मिश्रणों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा और इथेनॉल की मात्रा के आधार पर कीमतें भी अलग-अलग होंगी।

एलआईसी शेयरों में गिरावट नहीं, दोगुनी हुई निवेशकों की हिस्सेदारी

ऐतिहासिक 1-1 बोनस शेयर के साथ 10 प्रति शेयर डिविडेंड घोषित

मुंबई ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को आई लगभग 50 फीसदी की गिरावट ने निवेशकों को भले ही चौंकाया हो, लेकिन यह चिंता का विषय नहीं है। दरअसल, कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार 1-1 बोनस शेयर जारी किए हैं, जिसके चलते यह प्राइस एडजस्टमेंट देखने को मिला। शेयर 823 रुपए के स्तर से टूटकर 416 रुपए पर आ गया, जो रिकॉर्ड डेट पर बोनस शेयरों के लिए किया गया सामान्य समायोजन है। इसका अर्थ है कि निवेशकों के पास मौजूद हर एक शेयर के बदले उन्हें एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिला है, जिससे उनकी कुल शेयरहोल्डिंग दोगुनी हो गई है। यह ऐतिहासिक फैसला कंपनी के मजबूत वित्तीय नतीजों के बाद लिया गया, जहां मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपए रहा। बोनस के साथ एलआईसी ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि शेयरों की संख्या बढ़ने से बाजार में इसकी लिक्विडिटी बढ़ेगी, जिससे छोटे

निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना और भी सुलभ हो जाएगा। एडजस्टमेंट के बाद, शेयर मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है, और कंपनी का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपए है।

पीसी ज्वैलर का शानदार कमबैक- 90 प्रतिशत से अधिक कर्ज चुकाया, शेयर बना रॉकेट

मुंबई ।

ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर के शेयर सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की तूफानी तेजी के साथ 10.48 रुपये पर पहुंचे। इस उछाल का मुख्य कारण कंपनी द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक बकाया कर्ज का भुगतान और जल्द ही पूरी तरह से कर्ज मुक्त होने का ऐलान है।

कंपनी अब पूर्णतः कर्ज मुक्त होकर बाजार में अपनी आक्रामक विस्तार की योजना बना रही है, इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया कि बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट के बाद से कंपनी ने अपने बकाया कर्ज का 90 प्रतिशत से अधिक सफलतापूर्वक चुकाया है। उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त होगी, जिसके बाद वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाएगी। मैनेजिंग डायरेक्टर गर्ग ने वित्त वर्ष 2026 को कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष बताया, जहां इसने अपनी गति वापस हासिल की और पूरे साल शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। वित्तीय प्रदर्शन के मुताबिक 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा सालाना आधार पर 61.3 प्रतिशत

बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान अवधि में 94.8 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 32.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 927.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 699 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 13.4 प्रतिशत बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा, जिसमें इबिट्डा मार्जिन 17.7 प्रतिशत दर्ज किया गया।

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पहले भी लाभ पहुंचाया है। जुलाई 2017 में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए थे, और दिसंबर 2024 में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर को 1-1 रुपये के 10 शेयरों में विभाजित (स्टॉक स्प्लिट) किया गया था। पिछले छह सालों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 800 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है, जबकि पिछले पांच दिनों में इसमें 19 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है, जो कंपनी की मजबूत वापसी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

अशोक लीलैंड का रिकॉर्ड प्रदर्शन, मुनाफा 1,400 करोड़ के पार

वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने 2026 की चौथी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक मुनाफा कमाया

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 1,405 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर शानदार प्रदर्शन किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तिमाही और पूरे वित्त वर्ष दोनों के लिए रिकॉर्ड राजस्व, एबिटा और वाहन बिक्री के साथ अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन वित्तीय स्थिति पेश की है। अशोक लीलैंड का परिचालन राजस्व समीक्षाधीन तिमाही में 19 फीसदी बढ़कर 14,160.49 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिटा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,066 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार के जीएसटी 2.0 प्रोत्साहन और वाहनों की प्रतिस्थापन मांग ने इस जोरदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 800-1,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना भी पेश की है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अशोक लीलैंड का शुद्ध लाभ 8 फीसदी बढ़कर 3,566 करोड़ रुपये रहा, जो नई श्रम संहिता के कारण 308 करोड़ रुपये के एकमुश्त बोझ के बावजूद हासिल हुआ। इस दौरान कुल राजस्व रिकॉर्ड 44,007 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और एबिटा 13 फीसदी बढ़कर 5,732 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 5,899 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी के साथ वर्ष का समापन किया। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 13 फीसदी बढ़कर 2,20,437 इकाइयों के नए सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2019 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ती है। निदेशक मंडल ने 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 2.50 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस बीच हवाई अड्डा संचालक जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) ने भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी घाटे से उबरकर 400.49 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में आ गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 252.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

दिल्ली, हैदराबाद सहित कई शहरों में हवाई अड्डों का संचालन करने वाली जीएमआर एयरपोर्ट्स ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में 472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि इसकी कुल आय बढ़कर 15,200.75 करोड़ रुपये हो गई।

सागवा में अवैध शराब का बड़ा भंडाफोड़, 55 कार्टन शराब के साथ एक गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा निर्मित शराब का बड़ा जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 55 कार्टन शराब और परिवहन में प्रयुक्त एक कैम्पर गाड़ी जब्त की है। थाना प्रभारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में पुलिस टीम शुक्रवार रात गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सागवा निवासी विजय प्रकाश अपने मकान और घर में खड़ी कैम्पर गाड़ी में अवैध शराब का भंडारण कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान कैम्पर गाड़ी के डाले से 35 कार्टन और मकान के बाथरूम से 20 कार्टन शराब बरामद हुई। जांच में कुल 55 कार्टनों से 453 बोतलें और 813 पव्वे हरियाणा निर्मित शराब के मिले। आरोपी से शराब रखने का लाइसेंस या कोई वैध दस्तावेज मांगा गया, लेकिन वह कोई अनुमति पत्र पेश नहीं कर सका।

पुलिस ने अवैध शराब और कैम्पर गाड़ी को जब्त कर आरोपी विजय प्रकाश (50) निवासी सागवा को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अवैध शराब के भंडारण और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्रवाई में शामिल रहें

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बिमला बुडानिया के साथ रामेश्वर लाल, नरेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, अजय कुमार, संजय कुमार, रोहिताश कुमार, हवा सिंह, भूपेंद्र बुमराह, रतन सिंह, सोमवीर तथा चालक धर्मवीर शामिल रहें।

शिक्षा मंत्री की तानाशाही के खिलाफ शिक्षक संघ का आर-पार का ऐलान

मांगें नहीं मानने पर घेराव व काले झंडे दिखाने की चेतावनी

शिक्षक संघ (सियाराम) के संवाददाता सम्मेलन में कर्मचारी महासंघ प्रमुख ने दी चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के तानाशाहीपूर्ण रवैये और शिक्षकों पर दर्ज झूठी FIR के विरोध में आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। संगठन के लालकोठी जयपुर स्थित प्रांतीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संघ के मुख्य संरक्षक व प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा ने बताया कि शिविरा पंचांग 2026-27 में ग्रीष्मावकाश में 10 दिन की मनमानी कटौती के विरोध व अन्य माँगों को लेकर 18 मई को रामगंजमंडी में 3000 से अधिक शिक्षकों की शांतिपूर्ण रैली निकाली गई थी। रैली की सफलता से बौखलाकर शिक्षा मंत्री ने 22 मई को पुलिस पर दबाव डालकर भाजपा पदाधिकारी से शिक्षकों पर झूठी व निराधार एफआईआर दर्ज करवाई, जबकि रैली की विधिवत सूचना पूर्व में पुलिस को दी गई थी। संघर्ष समिति संयोजक उम्मेद सिंह डूडी ने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों पर दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गई एवं 15 दिवस में शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो जुलाई से शिक्षा मंत्री के हर कार्यक्रम में घेराव कर काले झंडे दिखाए जाएंगे। इसके लिए टीम की घोषणा 25 जून को की जाएगी।वहीं प्रेस वार्ता में उपस्थित अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रमुख महेन्द्र सिंह व प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा ने आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री ने अपने तानाशाही रवैये में सुधार नहीं किया व मांग पत्र पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं की तो जयपुर, कोटा या रामगंजमंडी में हजारों कर्मचारियों-शिक्षकों का महापड़ाव डाला जाएगा। फिर भी यदि मंत्री का रवैया न बदला तो हजारों शिक्षक दिल्ली कूच करेंगे। प्रेस वार्ता को महासंघ प्रमुख महेंद्र सिंह, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा, संघर्ष समिति के संयोजक उम्मेद सिंह डूडी ने भी संबोधित किया।

परिवार ने दुख के बीच दिखाई मानवता, जाते-जाते तीन लोगों को नई जिंदगी दे गया जिज्ञांशु

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

मृतक जिज्ञांशु

थाना पचेरी कलां क्षेत्र के रसूलपुर अहीरान गांव के 19 वर्षीय युवा जिज्ञांशु ने मृत्यु के बाद भी मानवता की ऐसी मिसाल कायम की है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। सेना में भर्ती होकर देश सेवा का सपना देखने वाला यह होनहार युवक भले ही अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सका, लेकिन अंगदान के माध्यम से तीन जरूरतमंद लोगों को नया जीवन देकर अमर हो गया। जानकारी के अनुसार 23 मई की रात करीब नौ बजे जिज्ञांशु बाइक से पचेरीबाड़ी क्षेत्र में एटीएम से रुपये निकालने जा रहा था। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए नारनौल के अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने उसे जयपुर के टोंक रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की टीम ने लगातार उसके जीवन को बचाने के प्रयास किए।

हालांकि सिर में गंभीर चोट लगने के कारण जिज्ञांशु की हालत लगातार नाजुक बनी रही और बुधवार को चिकित्सकों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। यह खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस बेटे को सेना की वर्दी में देश की सेवा करते देखने के सपने परिवार ने संजोए थे, वह सपना एक पल में बिखर गया। इसी दौरान अस्पताल के चिकित्सकों ने जिज्ञांशु के परिजनों को अंगदान के महत्व के बारे में बताया और उन्हें इस दिशा में प्रेरित किया। अपने जवान बेटे को खोने के गहरे दुख के बावजूद परिवार ने साहस और मानवता का परिचय देते हुए अंगदान का निर्णय लिया। परिवार की सहमति के बाद अस्पताल की विशेषज्ञ टीम, एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर और एम्स जोधपुर के चिकित्सकों ने अंगों का सफल रिट्रीवल किया। जिज्ञांशु की एक किडनी निजी अस्पताल में भर्ती एक मरीज को प्रत्यारोपित की गई, जबकि दूसरी किडनी एसएमएस अस्पताल जयपुर में एक जरूरतमंद मरीज को लगाई गई। इसके अलावा उसका लीवर ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से जोधपुर भेजा गया, जहां एम्स जोधपुर में एक मरीज को नया जीवन मिला। जिज्ञांशु के इस महान कार्य ने यह साबित कर दिया कि इंसान की महानता केवल उसके जीवन तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह अपने जाने के बाद भी दूसरों के जीवन में उम्मीद की रोशनी जगा सकता है। गांव सहित पूरे क्षेत्र में जिज्ञांशु और उसके परिवार के इस निर्णय की सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि दुख की इस घड़ी में परिवार द्वारा लिया गया यह फैसला समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। जिज्ञांशु भले ही आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उसके द्वारा दान किए गए अंग तीन परिवारों के लिए नई उम्मीद, नया जीवन और नई खुशियां लेकर आए हैं। उसकी यह अमूल्य देन हमेशा मानवता की मिसाल के रूप में याद की जाएगी।

नगरपालिका होने के बावजूद भी रोशनी के नाम पर दिखावा, अंधेरे में डूबा मंडावर

बंद स्ट्रीट लाइटों ने बढ़ाई दहशत, जनता बोली—ग्राम पंचायत ही बेहतर थी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

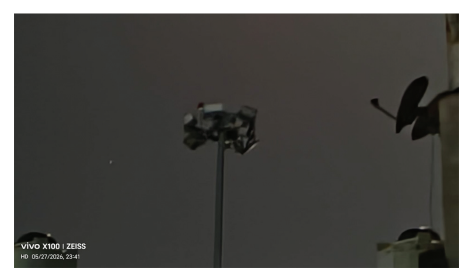

मनोज खंडेलवाल । नगरपालिका बनने के बाद बेहतर सुविधाओं के सपने देखने वाले मंडावर शहर के लोगों को इन दिनों घोर निराशा का सामना करना पड़ रहा है। शहर की मुख्य सड़कों, मोहल्लों और प्रमुख चौराहों पर लगी स्ट्रीट लाइटें तथा मरकरी लाइटें पिछले करीब एक माह से बंद पड़ी हैं, जिससे रात होते ही पूरा शहर अंधेरे की चादर में सिमट जाता है। हालात ऐसे बन गए हैं कि लोगों के बीच अब यह चर्चा आम हो चुकी है कि 'चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात' वाली कहावत मंडावर की मौजूदा व्यवस्था पर पूरी तरह सटीक बैठ रही है। नगरपालिका क्षेत्र में करोड़ों रुपये खर्च कर सड़क किनारे और चौराहों पर रोशनी की व्यवस्था तो खड़ी कर दी गई, लेकिन उनके नियमित रखरखाव और संचालन को लेकर जिम्मेदार तंत्र की उदासीनता अब खुलकर सामने आने लगी है। शहरवासियों का कहना है कि यदि सुविधाओं का संचालन ही सुनिश्चित नहीं किया जा सकता तो केवल उपकरण लगाकर विकास का दावा करना जनता के साथ छलावा साबित होता है। लोगों का आरोप है कि नगर की अधिकांश सड़कें रात के समय अंधेरे में डूबी रहती हैं, जिससे आमजन, महिलाओं, विद्यार्थियों और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंधेरे का फायदा असामाजिक तत्वों द्वारा उठाया जा रहा है। सुनसान और अंधेरी गलियों में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें बढ़ रही हैं तथा चोरी जैसी वारदातों को लेकर लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीण परिवेश से जुड़े इस कस्बे में लोग अब खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। नागरिकों का दर्द यह भी है कि नगरपालिका बनने के बाद जिस स्तर की बुनियादी सुविधाओं और जवाबदेही की उम्मीद थी, वह धरातल पर दिखाई नहीं दे रही। कई लोगों ने तो यहां तक कह दिया कि पुरानी ग्राम पंचायत व्यवस्था में कम से कम जनसमस्याओं पर समय रहते ध्यान दिया जाता था। जनभावनाओं में बढ़ती नाराजगी के बीच अब लोगों ने महवा विधायक राजेंद्र मीणा से हस्तक्षेप की मांग की है। नागरिकों ने विधायक तक अपनी समस्या पहुंचाते हुए बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों और चौराहों की मरकरी लाइटों को शीघ्र चालू करवाने की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि रोशनी केवल सुविधा नहीं बल्कि नागरिक सुरक्षा का भी मूल आधार है। यदि शहर की सड़कों पर अंधेरा कायम रहा तो अपराध और दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ सकती है।

मुंडावर में कांग्रेस का महा आंदोलन: नीट पेपर लीक और महंगाई के खिलाफ सड़क पर उतरा जन सैलाब

विधायक ललित यादव के नेतृत्व में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेश चन्द । नीट पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल व गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी के खिलाफ बुधवार को मुंडावर में कांग्रेस का महा आंदोलन हुआ। विधायक ललित यादव के नेतृत्व में हजारों की संख्या में युवा, छात्र, किसान और आमजन सड़कों पर उतरे। मुख्य बाजार से निकली रैली जन सैलाब में बदल गई। प्रदर्शनकारियों ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। आंदोलन में युवाओं का आक्रोश साफ नजर आया। हाथों में 'नीट पेपर लीक बंद करो ', 'महंगाई वापस लो ', 'युवाओं को रोजगार दो' लिखी तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी का जीना मुश्किल कर दिया है। रसोई गैस 1100 पार है और पेट्रोल-डीजल के दामों ने हर चीज महंगी कर दी है। नीट पेपर लीक पर युवाओं ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। पेपर माफिया गरीब घर के बच्चों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। सरकार दोषियों को बचाने के बजाय न्यायिक जांच कराकर छात्रों को न्याय दे।

इस महा आंदोलन में विधायक ललित यादव के साथ कांग्रेस नगर अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी, एडवोकेट राकेश यादव, अशोक मुद्गल पूर्व सरपंच नीमराना, संजय लंबरदार, ब्लॉक अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के पदाधिकारी और खैरथल-तिजारा से आए सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए , विधायक ललित यादव ने कहा की यह लड़ाई युवाओं के हक और जनता की रसोई के लिए है। जब तक पेपर लीक बंद नहीं होंगे और महंगाई कम नहीं होगी, संघर्ष जारी रहेगा। कांग्रेस नगर अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। युवा बेरोजगार घूम रहे हैं और सरकार आंख मूंदे बैठी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र होगा। प्रदर्शन के बाद विधायक ललित यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चार प्रमुख मांगें रखी गईं: नीट पेपर लीक की सीबीआई जांच, पेट्रोल-डीजल व गैस की कीमतों में कटौती, बेरोजगारों को रोजगार और भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई। प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। अंत में विधायक ने जनता से एकजुट होकर हक की इस लड़ाई को मजबूत करने का आह्वान किया।

कोर्ट एवं कलेक्ट्रेट परिसर में स्काउट्स ने नीम्बू की शिकंजी पिलाई

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग एवं स्काउट गाइड ने की जल सेवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू एवं जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के संयुक्त तत्वावधान में कोर्ट एवं कलेक्ट्रेट परिसर में आमजन को शीतल जल एवं नींबू की शिकंजी पिलाकर जल सेवा की गई। सी.ओ.स्काउट महेश कालावत ने बताया कि जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष मनोज मील के निर्देशानुसार आमजन को गर्मी में राहत प्रदान करने हेतु नींबू की शिकंजी एवं ठंडे पानी की जल सेवा का आयोजन किया गया, जिसकी न्यायिक कर्मचारी, बार एसोशिएशन के सदस्यों, आमजन, विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों, पुलिस कार्मिकों,अधिकारियों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। स्काउट शिक्षक दिनेश कुमार लखटकिया के नेतृत्व में रेंजर रितिका चौधरी, सीनियर रेंजर मेंट संजू कुमावत, किरण कुमारी, कंचन कुमारी ने जल में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपभोक्ता प्रतितोष विवाद आयोग के अध्यक्ष मनोज मील ने कहा कि चिल्लाती गर्मी में जल सेवा जैसा पुनीत कार्य किया जाना बहुत अच्छा है, इस कार्य में भाग लेने वाले स्काउट गाइड संगठन के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट गाइड सेवा का पर्याय है। यहां संस्कारों का बीजारोपण कर चरित्र निर्माण किया जाता है।

बानसूर में किसानों का हल्ला बोल: MSP पर खरीद नहीं होने से नाराज किसानों ने मंडी गेट पर दिया 3 घंटे धरना, अधिकारियों के आश्वासन पर समाप्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.बानसूर।

रमेश चन्द । समर्थन मूल्य पर फसल खरीद शुरू नहीं होने से नाराज बानसूर क्षेत्र के किसानों ने बुधवार को कृषि उपज मंडी गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। किसान नेता राकेश दायमा के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने करीब तीन घंटे तक धरना दिया और सरकार-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। अधिकारियों द्वारा 5000 बारदानों की तत्काल व्यवस्था और खरीद शुरू कराने का लिखित आश्वासन मिलने के बाद धरना समाप्त हुआ।किसानों का कहना है कि उन्होंने मार्च-अप्रैल में ही MSP पर फसल बेचने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करा दिया था। मई बीतने और जून शुरू होने के बावजूद भारत सरकार की ओर से खरीद शुरू नहीं की गई। इससे किसानों में भारी आक्रोश है। खुले में पड़ी फसल तेज गर्मी और बेमौसम बारिश के कारण खराब हो रही है। गुणवत्ता गिरने से व्यापारियों को औने-पौने दामों पर उपज बेचनी पड़ रही है, जिससे लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। धरने के दौरान किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द खरीद शुरू नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सूचना मिलते ही कृषि उपज मंडी सचिव संदीप कुमार मीणा और FCI अधिकारी बादल खत्री मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों की मांग पर तुरंत 5000 बारदानों की व्यवस्था की गई और MSP पर खरीद शुरू कराने के लिए भारत सरकार को पत्र भेजा गया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि एक-दो दिन में खरीद प्रक्रिया शुरू कराने के प्रयास तेज कर दिए जाएंगे। किसान नेता राकेश दायमा ने कहा कि यह किसानों की एकजुटता की जीत है। प्रशासन को झुककर किसानों की बात सुननी पड़ी। उन्होंने कहा कि जब तक आखिरी किसान की फसल MSP पर नहीं बिक जाती, संघर्ष जारी रहेगा। किसानों के हक के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। प्रशासन से ठोस आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। इस दौरान सुघडा राम जाट, ख्याली राम पटेल, कैलाश चौधरी, संदीप पहलवान, दीपक बोहरा, राजेश रावत, सुरेश मीणा, जगदीश पटेल, मदन चौधरी, शंकर नागा, सरवन सौलंकी, दाया राम मोरुडिया, बंशी यादव, विजय जाट, गोविंद सैनी, विकास सैनी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहें।

गुजरात के भरूच में यज्ञ सेवा समिति का राजस्थानी प्रवचनों द्वारा हुआ जोरदार अभिनंदन

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 सीताराम दास महाराज का किया जोरदार स्वागत

मदनलाल भावरिया के सानिध्य में हुआ पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बालाजी मंदिर पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर इन दोनों यज्ञ सेवा समिति का एक प्रतिनिधिमंडल गुजरात के दौरे पर है द्य सूरत का सफल दौरे के बाद प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को भरूच पहुंचा जहां पर मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज का मारवाडियो द्वारा जोरदार स्वागत किया गया द्य यज्ञ सेवा समिति के सानिध्य में भरूच में पोस्टर का विमोचन किया गया जहां पर राजस्थानी प्रवासियों को यज्ञ में आने के लिए आमंत्रित किया गया द्य आज यज्ञ सेवा समिति का प्रतिनिधिमंडल अहमदाबाद पहुंचेगा जहां पर रह रहे मारवाडियो को भी यज्ञ में आने के लिए न्योता दिया जाएगा द्य इस दौरान सतीश जांगिड़, नरेंद्र, दीपक भाई, कैलाश जांगिड़, मदन ,महेंद्र ,मूलचंद, शंकर जांगिड़, महेंद्र जांगिड़,रोहिताश गुर्जर, ओम प्रकाश ,विक्रम सुरेश, सुनील जांगिड़ सहित भरूच के लोगों ने यज्ञ सेवा समिति के प्रतिनिधिमंडल का जोरदार अभिनंदन किया

महंगाई, पेपर लीक और पेयजल संकट को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जनसमस्याओं को लेकर मंडावा में कांग्रेस का हल्लाबोल, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

मान पेट्रोल पंप से एसडीएम कार्यालय तक कांग्रेस की रैली, भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मंडावा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, नगर कांग्रेस कमेटी एवं ग्रामीण मंडल कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस कार्यकर्ता मान पेट्रोल पंप के पास एकत्रित हुए, जहां से रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी, क्षेत्र में पेयजल संकट, बिजली कटौती तथा नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक के विरोध में भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। ज्ञापन में बताया गया कि लगातार बढ़ती महंगाई से आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। खाद्य सामग्री, पेट्रोल-डीजल और घरेलू उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। वहीं भीषण गर्मी में क्षेत्र में गहराते पेयजल संकट और लगातार बिजली कटौती से आमजन परेशान हैं। कांग्रेस नेताओं ने नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष किरोड़ीमल पायल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मंडावा नरेश सोनी, पीसीसी सदस्य सलीम सिगड़ी, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राहुल जाखड़, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष नवाब खत्री, छोटेलाल सैनी, मंडावा नगर कांग्रेस अध्यक्ष आमीन कारी, पूर्व पालिका अध्यक्ष बिसाऊ मुस्ताक खान, बिसाऊ नगर अध्यक्ष अयूब खान, पूर्व पार्षद नंदकिशोर यादव, शशिकांत सैनी, मुबारिक काजी, मदनलाल रैगर, अब्बास खान, आसिफ खत्री, नेमीचंद खटीक, परमेश्वर चेजारा, चिरंजीलाल नायक, जाकिर रंगरेज, मंडल अध्यक्ष शमशाद खान, सुनील फौजी, पीताम्बर मिश्रा, हरफूल सिंह तिलोटिया, दिनेश काला, भगवान सिंह चाहर, मामराज दुलार, राजेश मोगा, आरिफ, ख्यालीराम पुनिया, प्यारेलाल तेतरवाल, सुनील सोनी, शिशुपाल टाई, सरपंच प्रतिनिधि इकबाल खान, आलम अली, कमलेश मिश्रा, सुनील जोशी, योगेश सैन, रमेश मिश्रा, चिरंजीलाल सैनी, रामप्रताप सैनी, सुशील लुहारूवाला, अब्दुल करीम, जाफर अली, राजकुमार पाराशर, युनुस मोम, इकबाल धौलिया, मूलसिंह, बाबूलाल जोगी, ललित सोनी, दिनेश कालोया, शिवकुमार रैगर, शीशराम भारती, जॉन भाटीवाड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईद मिलन समारोह में भाईचारे और सौहार्द का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के वार्ड संख्या 14 स्थित जुम्मा मस्जिद के निकट खत्री परिवार की ओर से भाजपा नेता अयूब खत्री की अध्यक्षता में ईद मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। समारोह में विभिन्न समाजों के लोगों ने भाग लेकर आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष इजी. प्यारेलाल ढूकिया ने उपस्थित जनसमूह को कहा कि ईद का पर्व प्रेम, खुशी और मेल-मिलाप का प्रतीक है। यह त्यौहार समाज में आपसी सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को सामाजिक सौहार्द बनाए रखने तथा अमन-चैन और आपसी सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति विविधता में एकता की मिसाल है और ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद देकर गले मिलकर खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर भाजपा नेता पूर्व जिलामंत्री संदीप शर्मा, मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, पूर्व पार्षद मोहम्मद इब्राहिम रंगरेज, संदीप परिहार, सलामुद्दीन लीलगर, महावीर शर्मा, अनीस खत्री, मोहम्मद अली, अब्दुला, जाकीर अंग्रेज, बबलू मेधवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह सौहार्द, अपनत्व और सामाजिक समरसता से ओत-प्रोत नजर आया।

गृहस्थ जीवन छोड़कर मुरारी लाल से बने मुरारी दास

नवसारी के पीठाधीश्वर ने श्रीराम कथा में दी दीक्षा व श्री श्री 108 की उपाधि से किया विभूषित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

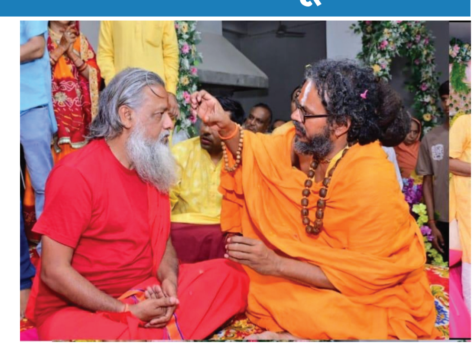

लक्ष्मणगढ़ निवासी गुवाहाटी प्रवासी जाजोदिया व्यवसायिक घराने के मुरारी लाल जाजोदिया ने गृहस्थ जीवन को छोड़कर वैराग्य धारण किया है तथा मंगल गौत्री जाजोदिया परिवार की कुलदेवी की जीवन पर्यन्त सेवा का संकल्प लिया है। उन्होंने नवासरी के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 जगद्गुरु धर्माचार्य महाराज से तोदी कुंई दुर्गा पूजा स्थल पर आयोजित हो रही पूज्या प्रेमा सखी की श्रीराम कथा में दीक्षा ग्रहण की । नवासरी पीठाधीश्वर धर्माचार्य महाराज ने उन्हें श्री श्री 108 महंत मुरारी दास की उपाधि से विभूषित करते हुए आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

यह जानकारी देते हुए मंगलगौत्री जाजोदिया बगीची समिति के अध्यक्ष सुशील जाजोदिया ने बताया कि महंत बने मुरारी दास महाराज पिछले 8 वर्षों से अपना सर्वस्व दादीजी के चरणों में समर्पित कर उनके धाम के निर्माण कार्य में लगे हुए थे तथा अब अपना संपूर्ण जीवन दादी जी को समर्पित करते हुए दास बनकर हमारे कुल का मान बढ़ा दिया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दीपक जाजोदिया को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का तीसरी बार राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर नवसारी पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 जगद्गुरु धर्माचार्य महाराज, श्री श्री 108 मंहत मुरारीदास महाराज एवं पूज्या प्रेमा दीदी ने आशीर्वाद दिया जबकि मंगल गोत्री बगीची समिति लक्ष्मणगढ़, तोदी कुंई दुर्गा पूजा स्थल समिति, सीकर अग्रवाल समाज, सुजानगढ़ अग्र परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुशील जाजोदिया, मंत्री सुभाष जाजोदिया, गोपी जाजोदिया, अजय जाजोदिया, शशिकांत नाउवाला, मनोज जाजोदिया, अनिल मंगलूनेवाला, अंकित मंगलूनेवाला, पंकज नाउवाला, अतुल जाजोदिया, मनीष जाजोदिया, वेंकटेश जाजोदिया, जयप्रकाश सरावगी, अरुण पंसारी, सूर्यप्रकाश पंसारी, सीकर से मनोज पंसारी, शुभम् मोदी, सुजानगढ़ से परमानंद मंगलूनिया, विजय शोभसरिया, गौरव मंगलूनिया, पूर्व पालिकाध्यक्ष दिनेश जोशी, पार्षद विष्णु शर्मा , महेश सोनी, सज्जन टेलर, विकास तूनवाल, मनोहर दाधीच, पूरणमल भगत, भजनलाल सोनी, रामस्वरूप वेदी, पीरामल सैनी, विकास तूनवाला, सुभाष टेलर, सुरेंद्र, सुरेश टेलर, देवकी दायमा, सत्यनारायण झुरिया एवं बड़ी संख्या में नगर के प्रबुद्ध जन व मातृशक्ति उपस्थित रही।

शाकंभरी कुटुंब परिवार के सदस्यों ने धार्मिक स्थलों पर लगाए परिंडे

पक्षियों के लिए लगाए गए परिंडो में रोज साफ सुथरा पानी ही डालें- मूलचंद सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में शुक्रवार को शाकंभरी कुटुंब परिवार के सदस्यों द्वारा कई धार्मिक स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए द्य शाकंभरी कुटुंब परिवार के मूलचंद सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि पक्षियों के लिए लगाए गए परिंडो में रोज पानी डालने का संकल्प लिया गया एवं कहा कि परिंडो में रोज पक्षियों के लिए साफ सुथरा पानी ही डालें द्य इस दौरान शाकंभरी परिवार के मूलचंद सैनी, सुनील तंवर ,महेंद्र चेजारा, सांवरमल सैनी,सज्जन चेजारा, मोहनलाल सैनी आदि मौजूद रहे

न्यामा मंदिर में चादरपोशी की रस्म आज, लक्ष्मीकांत दास महाराज की होगी चादरपोशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

न्यामा मंदिर में 30 मई शनिवार को शाम 5.30 बजे चादरपोशी की रस्म होगी। मंदिर के महंत स्व.महावीर दास जी महाराज के शिष्य व एकल उत्तराधिकारी लक्ष्मीकांत दास महाराज की चादरपोशी रस्म कार्यक्रम नगर धणी रघुनाथ के बड़े मंदिर के महंत अशोक दास जी महाराज के पावन सानिध्य एवं कर-कमलों से संपन्न होगी। जबकि चादरपोशी रस्म की पूर्व संध्या पर 29 मई शुक्रवार को रात्रि में मंदिर परिसर में विशाल जागरण का आयोजित हुआ।

तोदी कुई दुर्गा पूजा स्थल पर श्रीराम कथा में राम-बाल लीला का संगीतमय वर्णन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय तोदी कुई दुर्गा पूजा महोत्सव स्थल पर आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन राम-बाल लीला के प्रसंग का भावपूर्ण एवं संगीतमय वाचन किया गया। कथा वाचिका पूज्या प्रेमा सखी ने भगवान श्रीराम के बाल्यकाल की विभिन्न लीलाओं का सुंदर वर्णन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश दिया। कथा के समापन पर श्रीरामायण जी की आरती उतारी गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में दीपक जाजोदिया, सुशील जाजोदिया, मुरारी लाल वेदी, मनोहर दाधीच, अशोक तूनवाल, सुरेंद्र टेलर, सांवरमल टेलर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। श्रीराम कथा के दौरान पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।

गंगापुर सिटी में नींबू के आकार के गिरे ओले, खैरथल में झमाझम बारिश, कई जिलों में बदला मौसम

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट बदल ली। कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई, लेकिन कुछ इलाकों में नुकसान भी हुआ। गंगापुरसिटी, करौली, खैरथल और बानसूर सहित कई क्षेत्रों में मौसम का मिजाज अचानक बदलने से जनजीवन प्रभावित नजर आया। कहीं नींबू और बेर के आकार के ओले गिरे तो कहीं तेज आंधी में पेड़ टूटकर मकानों पर जा गिरे। गंगापुरसिटी में शाम करीब साढ़े पांच बजे अचानक मौसम बदल गया। तेज गर्मी और उमस के बीच अचानक बादल छा गए और कुछ ही देर में ओलावृष्टि शुरू हो गई। करीब पांच से छह मिनट तक नींबू के आकार के बड़े ओले गिरते रहे। इसके साथ तेज बारिश भी हुई, जिससे लोगों को तपती गर्मी से बड़ी राहत मिली।

दा बौहराज ग्लोबल स्कूल के डायरेक्टर ने एसपी पीयूष दीक्षित का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । दा बौहराज ग्लोबल स्कूल के डायरेक्टर विनय बौहरा ने दौसा के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने भगवान हनुमानजी की स्मृति चिन्ह एवं प्रसाद भेंट कर सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात में शिक्षा, युवाओं को सकारात्मक दिशा, कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर चर्चा हुई। विनय बौहरा ने 22 से 25 जून तक महवा में आयोजित होने वाली सीबीएसई गर्ल्स कबड्डी क्लस्टर प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए एसपी को आमंत्रित किया।एसपी पीयूष दीक्षित ने शिक्षा एवं सामाजिक संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए युवाओं को शिक्षा, खेल और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रशासन और समाज के सामूहिक प्रयासों से जिले के विकास को गति देने पर भी चर्चा हुई।

खेड़ी गोशाला में टीन शेड, खोर व वट वृक्ष चबूतरे का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । बाबा शरणाई नाथ गोशाला, खेड़ी में पीएनबी अटेली से सेवानिवृत्त शाखा प्रबंधक बीएम शर्मा एवं उनकी पत्नी कांता देवी के सहयोग से निर्मित टीन शेड, खोर (चारा स्थल) और वट वृक्ष के चबूतरे का लोकार्पण महाराज पहाड़ी नाथ ने किया। करीब तीन लाख रुपये की लागत से बने इन कार्यों में 20म76 फीट का टीन शेड, खोर और वट वृक्ष का चबूतरा शामिल हैं। गोशाला प्रबंधन के अनुसार इन सुविधाओं से गोशाला में रह रहे लगभग 650 गोवंश को लाभ मिलेगा। महाराज पहाड़ी नाथ ने कहा कि बीएम शर्मा और कांता देवी लंबे समय से गोसेवा से जुड़े हुए हैं तथा उनका यह योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि गोशाला विकास में ऐसे सहयोग से अन्य लोगों को भी आगे आने की प्रेरणा मिलेगी। बीएम शर्मा मूल रूप से सोनीपत जिले के फतेहपुर गांव के निवासी हैं और गोशाला के सचिव पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने गोशाला परिसर में छायादार पौधारोपण एवं उनकी सुरक्षा के लिए भी विशेष कार्य किए हैं। कार्यक्रम में महंत गंगाई नाथ, पूर्व गोशाला प्रबंधक कप्तान मखफूल चौहान, संतोष सांवरिया, कप्तान जोगेंद्र सिंह राठौड़, पंडित विष्णु, अजय पाल सिंह, आनंद चौहान, गगन चौहान, सुशीला कुमारी, सोनी देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चेक बाउंस मामलों की विशेष लोक अदालत का आयोजन 30 मई को

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (हालसा) के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा निर्देशों की अनुपालना में पूरे प्रदेश में चेक बाउंस मामलो की विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में मुख्य रूप से चेक बाउंस से जुड़े मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुयशा जावा ने दी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के चेक बाउंस धारा 138 एनआइ एक्ट से संबंधित मामले न्यायालय में लंबित है वे 29 मई तक संबंधित अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का विशेष लोक अदालत में विचारार्थ प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस विशेष लोक अदालत में लंबित धारा 138 एनआइ एक्ट अपीलों को भी शामिल किया जाएगा ताकि पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवादों का त्वरित, सरल और सोहार्द पूर्ण समाधान प्राप्त कर सकें। सुयशा जावा ने कहा कि विशेष लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निपटारा होने से समय, धन और ऊर्जा की बचत होती है तथा विवाद बिना अनावश्यक देरी के समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का फैसला अंतिम और सभी पक्षों पर मान्य होता है। विशेष लोक अदालत का आयोजन स्थानीय न्यायिक परिसर व उपमंडल स्तर पर रतिया एवं टोहाना न्यायिक परिसरों में किया जायेगा।

लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रदेश सरकार कृतसंकल्प: कृष्ण कुमार बेदी

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से स्वास्थ्य परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

जिला फतेहाबाद को करीब साढ़े 5 करोड़ रुपये की 9 स्वास्थ्य परियोजनाओं की मिली सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्रदेश सरकार आमजन को बेहतर, सुलभ और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के आधारभूत ढांचे को भी सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध हो सकें। उक्त विचार हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया।इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला से वर्चुअल माध्यम के जरिए प्रदेशभर में लगभग 100 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसी क्रम में जिला फतेहाबाद को भी करीब 5 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वास्थ्य परियोजनाओं की सौगात मिली।जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकें। इसके लिए गांव स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है तथा स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक उपकरण, लैब सुविधाएं और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नई परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं अपने नजदीक उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को उपचार के लिए बड़े शहरों के अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम पड़ेगी। साथ ही समय पर जांच और उपचार मिलने से लोगों के स्वास्थ्य स्तर में भी सुधार आएगा।इस अवसर पर रतिया के विधायक जरनैल सिंह, पूर्व विधायक दुड़ाराम, भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, एडीसी अनुराग ढालिया, डीएमसी प्रवीण कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, सीएमओ डा. बुधराम, डीडीपीओ अनूप सिंह, चेयरपर्सन अनु सरबटा, सविता टुटेजा, सफाई आयोग के सदस्य चंद्र प्रकाश बोस्ती, कंवल चौधरी, बंसीलाल जांडवाला, रामराज मेहता, संजय सिंगला, नीलांशी शर्मा, विकास ललौदा, सरपंच राजकुमार बेनीवाल, मेनपाल गोदारा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें।

नाबालिग से दुष्कर्म, जातीय अपमान और जान से मारने की धमकियों का आरोप,एसपी के आदेश पर पॉक्सो व एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

शादी का झांसा देकर शोषण करने का आरोप, नामजद आरोपी सहित परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । दौसा जिले के मंडावर थाना इलाके में एक नाबालिग बालिका के साथ कथित दुष्कर्म, जातीय उत्पीड़न और जान से मारने की धमकियों का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक दौसा के निर्देश पर मंडावर थाना पुलिस ने नामजद आरोपी कमलेश पुत्र भागचंद प्रजापत निवासी पाखर रोड मंडावर तथा अन्य आरोपितों के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार मंडावर थाना इलाके की एक विधवा महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को आरोपी कमलेश प्रजापत निवासी मंडावर लंबे समय से अपने प्रभाव में लेकर शादी का झांसा देता रहा। आरोप है कि उसने नाबालिग को मोबाइल फोन उपलब्ध कराया तथा परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकियां देकर उस पर दबाव बनाया। शिकायत में कहा गया है कि गत अप्रैल माह में परिजन घर से बाहर थे, उसी दौरान आरोपी ने सूने मकान का फायदा उठाकर घर में प्रवेश किया और नाबालिग के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया।

रिपोर्ट के अनुसार कुछ दिनों बाद परिजनों को घर में आपत्तिजनक सामग्री मिलने पर संदेह हुआ, लेकिन भय और सामाजिक लोकलाज के कारण नाबालिग बालिका ने तत्काल किसी को घटना की जानकारी नहीं दी। बाद में मां के घर लौटने पर पूछताछ के दौरान नाबालिग बालिका ने कथित रूप से अपने साथ हुए यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म की जानकारी दी।

इनका कहना है-

'नाबालिग पीड़िता की माँ द्वारा प्रस्तुत परिवाद को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित एवं निष्पक्ष अनुसंधान कराया जा रहा है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पियूष दीक्षित, पुलिस अधीक्षक, दौसा।

'प्रकरण नाबालिग पीड़िता की माता की ओर से दर्ज कराया गया है। नियमानुसार पीड़िता को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे नारी निकेतन भेजा गया है। मामले के प्रत्येक पहलू की गंभीरता एवं निष्पक्षता के साथ जांच की जा रही है। अनुसंधान के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मनोहरलाल मीना, वृत्ताधिकारी (सीओ), महवा एवं जांच अधिकारी।

नियमितीकरण नीति के तहत शिक्षकों की सेवाएं नियमित करने का हाईकोर्ट का फैसला स्वागत योग्य: विधायक चंद्रप्रकाश

कांग्रेस पार्टी की सरकार व भूपेंद्र सिंह हुड्डा के काल में लागू हुई नियमितीकरण नीति से लाभान्वित हुए अतिथि शिक्षक : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/मंडी आदमपुर।

रजत विजय रंगा । प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में लगभग दो दशक से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को नियमितीकरण नीति के तहत सेवाएं नियमित करने के हाईकोर्ट के फैसले का प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन व विधायक चंद्रप्रकाश ने स्वागत किया है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी तत्कालीन हुड्डा सरकार की नियमितीकरण की नीति पर मोहर लगा चुकी है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2014 में बनाई गई नियमितीकरण नीति के आधार पर ही अतिथि शिक्षकों को राहत मिली है और इन शिक्षकों के परिवारों में उत्सव का माहौल है। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला होते हैं। इसलिए हाईकोर्ट ने इन शिक्षकों को सभी सेवा लाभ व सेवानिवृत्ति लाभ देने के लिए भी कहा है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हमेशा जनकल्याणकारी नीतियों को लागू करके गरीब, मजदूर, किसान व पिछड़ा वर्ग सहित हर वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य किया। इसके विपरीत भाजपा ने हमेशा बड़े-बड़े दावे करके जनता को बरगलाने और वोट बटोरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से लगातार महंगाई बढ़ रही है। पिछले कुछ महीनों से तो महंगाई बेलगाम हो गई है और आम आदमी कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए मजबूर हो गया है। इतना ही नहीं बेरोजगारी भी लगातार बढ़ती जा रही है और कानून व्यवस्था का दिवाला निकल चुका है। अराजकता के इस माहौल में नागरिक अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं।

चंद्रप्रकाश ने कहा कि नीट जैसी परीक्षाओं का बार-बार पेपर लीक होना भाजपा सरकार के दावों की पोल खोलने के लिए काफी है। अन्नदाता किसान की सुध लेने वाला भी कोई नहीं हैं। महंगाई की मार से त्रस्त किसान महंगे दामों पर बीज व खाद खरीदने के लिए मजबूर है। किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली व पानी की उपलब्धता नहीं है। ऐसी स्थिति में किसानों के लिए खेती करना दूभर होता जा रहा है। इससे भी बढ़कर जब किसान अपनी फसल को मंडी में ले जाता है तो उसे पूरे दाम नहीं मिलते और अनाज को बेचने में बहुत सी अड़चनों का सामना करना पड़ता है। आंधी, ओला व भारी बारिश से बर्बाद हुई फसलों की गिरदावरी के बावजूद किसानों को मुआवजा नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार को चाहिए कि वह बड़े व झूठे दावे करने की अपेक्षा हकीकत में जनता के हितों के लिए कार्य करे और किसानों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उन्हें राहत प्रदान करे।

सावधान! विदेश भेजने का झांसा देकर ठग रहे हैं जान और पैसा, पुलिस की एडवाइजरी जारी

एसपी निकिता खट्टर बोलीं - बिना जांच-पड़ताल विदेश न जाएं, किसी लालच में न फंसें

रूसी युद्ध क्षेत्र जैसी गंभीर घटनाओं के मद्देनजर फतेहाबाद पुलिस ने नागरिकों के लिए जारी की जनहित एडवाइजरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर,आईपीएस ने आमजन से अपील की है कि वे विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर की जा रही ठगी से पूरी तरह सतर्क रहें। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इस तरह के मामलों में तेज़ी से वृद्धि हुई है, जिनमें भोले-भाले युवाओं को लुभावने ऑफर देकर न केवल आर्थिक रूप से ठगा जा रहा है, बल्कि कुछ मामलों में उन्हें जानलेवा परिस्थितियों में भी धकेल दिया गया है। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि हाल ही में रूस से सामने आए एक गंभीर मामले में भारतीय युवाओं को नौकरी के झांसे में लेकर अवैध रूप से युद्ध क्षेत्र में भेजा गया। यह घटना न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि इससे जुड़े परिवारों को गंभीर मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट का भी सामना करना पड़ा है। इस चिंताजनक पृष्ठभूमि में फतेहाबाद पुलिस द्वारा यह जनहित एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि नागरिक सतर्क रहें।

फतेहाबाद पुलिस द्वारा जारी मुख्य सावधानियाँ व दिशा-निर्देश:

एजेंसी की प्रामाणिकता जाँचें: किसी भी अज्ञात एजेंट, दलाल या ऑनलाइन विज्ञापन पर आँख मूंदकर भरोसा न करें। जिस भी एजेंसी से संपर्क किया जाए, उसकी प्रामाणिकता की जाँच ज़रूर करें और यह सुनिश्चित करें कि वह भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (एम ई ए) से मान्यता प्राप्त हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज का युवा वर्ग रोजगार की तलाश में ऐसे ठगों का आसान शिकार बन रहा है। यह हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है कि न केवल स्वयं जागरूक बनें, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी सजग करें। यदि हम समय रहते सतर्क हो जाएं, तो इस तरह की अंतरराष्ट्रीय ठगी की घटनाओं को समय रहते रोका जा सकता है। फतेहाबाद पुलिस ने अंत में नागरिकों से पुनः अनुरोध किया है कि वे अपने भविष्य की सुरक्षा और गरिमापूर्ण रोजगार के लिए केवल सत्यापित व अधिकृत स्रोतों से ही संपर्क करें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या संस्था की जानकारी तुरंत नज़दीकी पुलिस थाना या राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

फतेहाबाद पुलिस ने जांडली खुर्द में चलाया जागरूकता अभियान, साइबर अपराध व दहेज प्रथा के खिलाफ किया सचेत

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को भूना क्षेत्र के गांव जांडली खुर्द में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा टीम और साइबर थाना फतेहाबाद की संयुक्त टीम ने ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं को साइबर अपराध, सोशल मीडिया सुरक्षा तथा दहेज प्रथा के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। महिला सुरक्षा टीम की प्रभारी निरीक्षक मंजू और सहायक उपनिरीक्षक सुनीत ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने, मजबूत प्राइवेसी सेटिंग्स रखने तथा निजी जानकारी साझा करने से बचने की सलाह दी। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

इस दौरान हरियाणा पुलिस द्वारा विकसित 'अभेद्य' ऐप की जानकारी देते हुए उसके उपयोग और सुरक्षा संबंधी लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से ऐप का उपयोग कर अपनी सुरक्षा को और मजबूत बनाने की अपील की। कार्यक्रम में सामाजिक जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया। निरीक्षक मंजू ने दहेज प्रथा को समाज के लिए अभिशाप बताते हुए उपस्थित लोगों से दहेज न लेने और न देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने तथा महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।फतेहाबाद पुलिस ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे ताकि समाज का प्रत्येक वर्ग सुरक्षित और जागरूक बन सके। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, साइबर अपराध या घरेलू हिंसा की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने अथवा डायल-112 पर दें।

पचेरी बाजार में बिजली का पोल गिरा, 17 घंटे बाद भी नहीं हुआ समाधान, दुकानदारों में रोष

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

कस्बे के मुख्य बाजार में बीती रात आई तेज आंधी और बारिश के कारण सड़क किनारे स्थित बिजली का पोल गिर गया, जिससे पुराने बाजार क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया। पोल गिरने से बाजार के रास्ते पर वाहनों और ग्राहकों का आना-जाना बंद हो गया है, जिससे व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।दुकानदारों के अनुसार घटना रात में हुई थी, लेकिन आज दोपहर करीब 3 बजे तक बिजली विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की कार्रवाई या मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया। घटना के लगभग 17 घंटे बीत जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मुख्य बाजार का रास्ता अवरुद्ध होने से कारोबार प्रभावित हो रहा है तथा लोगों को आने-जाने में दिक्कतें हो रही हैं। दुकानदारों ने जल्द से जल्द पोल को हटाकर मार्ग सुचारू करने और आवश्यक मरम्मत कार्य कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। बाजार के व्यापारियों ने प्रशासन और बिजली विभाग से तत्काल समाधान की मांग की है।

ढाई किमी.आक्रोष प्रदर्शन कर ग्रामीण सफाई कर्मियों ने हाई कोर्ट के आदेश को लागू करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा

ग्रामीण सफाई कर्मियों के महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी जिले के कर्मियों ने स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । ग्रामीण सफाई कर्मियों की पिछले 15 दिनों से हड़ताल चल रही है। ग्रामीण सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन पर बैठे हुए है। शुक्रवार को महेंदंग्रढ़ व रेवाड़ी जिले के सफाई कर्मियों ने आक्रोष रैली निकाल कर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के पीए गोविंद स्वामी को अटेली में अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। आक्रोश प्रदर्शन को एआईयूटीयूसी के साथ सीटू के साथ सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने अपना समर्थन देकर प्रदर्शन में शामिल रहे। आक्रोष प्रदर्शन से पूर्व बिजली निगम कार्यालय में बैठक हुई उसके बाद अटेली कालेज से होते हुए धन्नौद रोड से होते हुए झंडा चौक से मुख्य बाजार से ढाई किमी. गुजरते हुए पुराना बस स्टैंड हो कर स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय पर पहुंचे। ग्रामीण सफाई कर्मचारी प्रधान राजकुमार, महेंद्रगढ़ जिले से अमित कुमार सहित अनेक पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। आक्रोष प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला सफाई कर्मियों ने भी हिस्सा लिया। ग्रामीण सफाई कर्मियों ने हाथों में पट्टी के साथ सरकार विरोधी नारे भी लगाये। आक्रोश प्रदर्शन में एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने भी अपना संबोधन दिया। एआईयूटीयूसी से संबंधित ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान पवन कुमार वाल्मीकि ने बताया उनकी प्रमुख मांगों में ग्रामीण सफाई कर्मियों ने 19 साल की लंबी सेवा को देखते हुए हाई कोर्ट के आदेशानुसार पक्का करना। न्यूनतम वेतन 26 हजार लागू करने , प्रत्येक सफाई कर्मी को कूड़ा उठाने के लिए स्वचालित वाहन देना, ईएसआई व पीफ को मुकम्मल रूप से लागू करना, रिटायर्ड होने पर पुरानी पेंशन की तर्ज पेंशन लागू करना, दुर्घटना में मौत होने पर 50 लाख तथा सामान्य मौत पर 20 लाख व परिवार को नौकरी देने सहित प्रमुख मांग है। प्रदर्शन में बसंत कुमार, सीटू से जिला सचिव रोहतास गोठवाल, राहुल यादव, नरेश , आशीष, सीताराम, अटेली ब्लाक प्रधान ईश्वर सिंह, नवल किशोर, अमित कुमार, जिला प्रधान हरिराम सहित अनेक सफाई कर्मी मौजूद रहे। गांवों में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण गांवों में सफाई व्यवस्था ठप हो गई।

महवा विधायक ने श्मशान, खेल मैदान और महिला कार्यालय की मांग उठाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

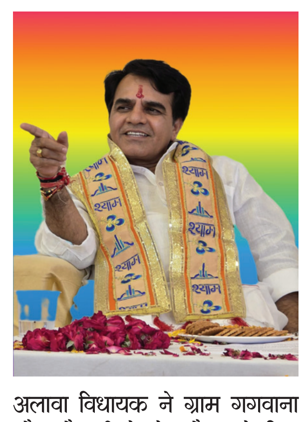

मनोज खंडेलवाल । महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान को लेकर जिला कलक्टर दौसा को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम हांडली और पीपलीपाड़ा में श्मशान भूमि के लिए भूमि आवंटन का मुद्दा उठाया है। विधायक ने बताया कि दोनों गांवों के ग्रामीण लंबे समय से अंतिम संस्कार के लिए उपयुक्त भूमि की मांग कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन को सिवायचक, चारागाह या अन्य उपलब्ध सरकारी भूमि में से आवश्यक भूमि आवंटित करनी चाहिए।इसके अलावा विधायक ने ग्राम गगवाना और खौंचपुरी में खेल मैदान के लिए तीन से चार बीघा भूमि आरक्षित करने की मांग की है। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के अभाव के कारण युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते, जबकि खेल मैदान बनने से युवाओं की प्रतिभा को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए विधायक ने रामगढ़ स्थित अटल सेवा केंद्र भवन को राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों के कार्यालय संचालन के लिए उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह भवन वर्तमान में उपयोग में नहीं है और इसका उपयोग महिलाओं के हित में किया जा सकता है। विधायक ने प्रशासन से इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है।

वार्ड 16 में नए ट्यूबवेल कार्य का हुआ शिलान्यास, पेयजल समस्या से मिलेगी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 16 के निवासियों को लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या से जल्द राहत मिलने की उम्मीद जगी है। वार्ड में सूख चुके पुराने ट्यूबवेल के स्थान पर नए ट्यूबवेल निर्माण कार्य का शुक्रवार को विधिवत शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका के वाइस चेयरमैन रामस्वरूप जांगिड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।शिलान्यास कार्यक्रम पंडित अनूप शर्मा के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। वाइस चेयरमैन रामस्वरूप जांगिड़ ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन किया और नए ट्यूबवेल की खुदाई कार्य का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष राजपाल काजला ने बताया कि वार्ड 16 में स्थित पुराना ट्यूबवेल कई महीनों पहले सूख गया था, जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था। पानी की कमी के चलते वार्डवासियों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए काफी परेशानियां उठानी पड़ रही थीं।उन्होंने बताया कि वार्डवासियों ने अपनी समस्या को लेकर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व सांसद संतोष अहलावत से मुलाकात कर समाधान की मांग की थी। पूर्व सांसद संतोष अहलावत के प्रयासों और जनप्रतिनिधियों की पहल के बाद अब सूखे ट्यूबवेल के स्थान पर नए ट्यूबवेल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जिससे क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बेहतर होगी और लोगों को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देना वर्तमान समय की आवश्यकता है। नए ट्यूबवेल के निर्माण से न केवल वार्ड 16 के निवासियों की पानी की समस्या दूर होगी, बल्कि भविष्य में भी पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में बनवारीलाल शर्मा, लीलाधर छापड़िया, भाजपा मंडल महामंत्री मनोज शर्मा, रतनलाल बिजनेवाला, पवन सेन, मूलचंद सेन, गोविंद सेन, संदीप शर्मा, ओमप्रकाश कौशिक, मनोज बिजनेवाला, एडवोकेट अमित शर्मा, चेतन शर्मा, दिनेश बिजनेवाला सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

जर्जर बिजली लाइनों से मंडरा रहा खतरा: हुडला और पीपलीपाड़ा की समस्या को लेकर विधायक राजेन्द्र ने उठाई आवाज

25 से 30 साल पुरानी विद्युत लाइनें बदलने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हुडला और पीपलीपाड़ा में वर्षों पुरानी जर्जर विद्युत लाइनों से बढ़ते खतरे और बार-बार उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर विधायक राजेन्द्र मीना ने विद्युत विभाग के समक्ष मामला उठाया है। उन्होंने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता, दौसा को पत्र लिखकर दोनों गांवों की पुरानी और क्षतिग्रस्त विद्युत लाइनों को शीघ्र बदलवाने की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि ग्राम हुडला में 33/11 केवी जीएसएस ग्वारकी से हुडला तक संचालित विद्युत लाइन पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है। यह लाइन करीब 25 से 30 वर्ष पुरानी हो चुकी है, जिसके कारण आए दिन तकनीकी खामियों और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों को लगातार भय बना रहता है कि कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए। ऐसे हालात में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के साथ-साथ जनसुरक्षा भी गंभीर चिंता का विषय बन गई है। उन्होंने बताया कि ग्राम पीपलीपाड़ा की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। यहां वर्ष 1995 के बाद से पुरानी विद्युत लाइनों का नवीनीकरण नहीं किया गया है। गांव की विद्युत आपूर्ति 33/11 केवी जीएसएस नौरंगवाड़ा से संचालित होती है, लेकिन लंबे समय से जर्जर हो चुकी लाइनों के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। विधायक राजेन्द्र मीना ने पत्र में कहा है कि दोनों गांवों के ग्रामीण लंबे समय से नई विद्युत लाइनें बिछाने की मांग कर रहे हैं। बढ़ती आबादी और बढ़ते विद्युत भार के बीच पुरानी लाइनों पर निर्भरता न केवल आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए भी चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने विद्युत विभाग से मांग की है कि आमजन की सुरक्षा, बेहतर विद्युत आपूर्ति और संभावित हादसों की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए हुडला और पीपलीपाड़ा की जर्जर विद्युत लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने की कार्रवाई की जाए।

वैभव सूर्यवंशी पर भारी शुभमन गिल की शतकीय पारी

राजस्थान रॉयल्स को गुजरात टाइटंस ने रौंदा, अब आरसीबी से फाइनल

न्यू चंडीगढ़- आईपीएल 2026 के क्वालीफायर-2 मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने गजब का क्रिकेट खेलते हुए राजस्थान रॉयल्स का सपना तोड़ते हुए खिताबी मुकाबले में एंट्री मार ली। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 214 रन बनाए, जबकि वैभव सूर्यवंशी पिछले 4 मैचों में तीसरी बार शतक से चूक गए। बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर, न्यू चंडीगढ़ की पिच पर गुजरात टाइटंस के ओपनर शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने बेहद चालाकी से मैदानी शॉट्स खेलते हुए पहले विकेट के लिए 12.5 ओवरों में 167 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी करते हुए मैच और क्वालीफायर-2 अपने नाम कर लिया। जीटी ने यह मैच 18.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर अपने नाम किया। शुभमन गिल ने आईपीएल करियर का 5वां शतक जड़ा। वह 53 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए, जबकि 15 चौके और 3 छक्के ठोके। आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला जीटी और आरसीबी के बीच 31 मई को गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जो शुभमन गिल की टीम का होम ग्राउंड भी है।

शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने गेम ही पलट दिया

जवाब में गुजरात टाइटंस की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 167 रनों की तूफानी साझेदारी कर मैच को पूरी तरह गुजरात की पकड़ में ला दिया। साई सुदर्शन ने 32 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। हालांकि वे 13वें ओवर में ब्रिजेश शर्मा की गेंद पर हिट विकेट हो गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने अपना हमला जारी रखा और राजस्थान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। गिल ने अपनी शतकीय पारी में 15 चौके और 3 शानदार छक्के लगाए।

शुभमन गिल का आईपीएल में 5वां शतक

उन्होंने सिर्फ 53 गेंदों में 104 रन बनाकर टीम की जीत लगभग तय कर दी। जॉफ्रा आर्चर ने उन्हें 15वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट किया, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह गुजरात के पक्ष में जा चुका था। मध्यक्रम में वॉशिंगटन सुंदर ने भी तेजी से 9 गेंदों पर 16 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी इस मुकाबले में बेहद साधारण नजर आई। जॉफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर और ब्रिजेश शर्मा को एक-एक विकेट मिला, लेकिन कोई भी गेंदबाज गुजरात के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सका। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी ने टीम को नई ऊर्जा दी, जबकि राजस्थान रॉयल्स का शानदार सीजन इस हार के साथ समाप्त हो गया।

वैभव सूर्यवंशी की दमादार पारी, स्कोर 214/6

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 214 रन बनाए। इस बड़े मुकाबले में राजस्थान की पारी के सबसे बड़े नायक युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में 47 गेंदों पर 96 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और गुजरात के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। राहुल तेवतिया 9 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर 17 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने नाबाद 9 रन की पारी खेली।

यशस्वी जायसवाल और मोहम्मद सिराज सस्ते में आउट

हालांकि, राजस्थान की शुरुआत बेहद खराब रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 1 रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। इसके बाद ध्रुव जुरेल भी 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए और टीम ने 2 ओवर के भीतर ही दो विकेट गंवा दिए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और रविंद्र जडेजा ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 127 रनों की शानदार साझेदारी की। जडेजा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

आखिरी ओवरों में फिर बरसे रन

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने भी तेजतर्रार अंदाज में 6 गेंदों पर 11 रन बनाए, जबकि अंत के ओवरों में डोनोवन फरेरा ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर मैच का रुख पूरी तरह राजस्थान की ओर मोड़ दिया। फरेरा ने सिर्फ 11 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए और अपनी पारी में 2 चौके व 4 छक्के जड़े। आखिरी तीन ओवरों में राजस्थान ने तेजी से रन बटोरे, जिससे टीम 200 के पार पहुंचने में सफल रही। गुजरात टाइटंस की ओर से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने दो-दो विकेट हासिल किए। रबाडा ने अपने चार ओवर में 35 रन देकर महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं, जबकि होल्डर ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 27 रन देकर दो विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला। हालांकि राशिद खान इस मुकाबले में काफी महंगे साबित हुए और दो ओवर में 45 रन खर्च कर बैठे।

स्वास्थ्य

राइस ब्रान ऑयल है सेहत, स्किन और बालों के लिए बहुत फायदेमंद

इन दिनों चावल की भूसे से बने तेल यानी राइस ब्रान ऑयल की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है और इसके पीछे का कारण है, इससे मिलने वाले बहुत से स्वास्थ्य लाभ। खाना पकाने में तेल का भी बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है और इसका स्वास्थ्य पर भी काफी प्रभाव पड़ता है इसलिए जरूरी है कि खाना पकाते समय तेल के स्वास्थ्य लाभ देखते हुए ही उसका प्रयोग किया जाए। आमतौर पर कम रिफाइंड हुए तेल को लाभदायक माना जाता है। आजकल स्वास्थ्य के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता को देखते हुए राइस ब्रान ऑयल भी काफी प्रसिद्ध हो रहा है। राइस ब्रान ऑयल चावल के दाने की बाहर वाली कठोर परत से निकाल कर बनाया जाता है। चावल की भूसी के तेल में हाई स्मोक प्वाइंट होता है जोकि उच्च तापमान वाले भोजन के लिए काफी अच्छा होता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है राइस ब्रान ऑयल

राइस ब्रान ऑयल ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है। यहां तक कि चावल की भूसी के तेल को खाने में प्रयोग करने पर सबसे अधिक पौष्टिक भोजन तैयार होता है।

राइस ब्रान ऑयल दिल के स्वास्थ्य को बढ़ाता है

चावल के भूसे के तेल में एंटी ऑक्सीडेंट गुण होने के कारण यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। यह तेल दिल के लिए कई तरह से लाभदायक माना जाता है। बाकी वेजिटेबल ऑयल के मुकाबले इस तेल में मोनोअनसैचुरेटेड, पॉलीअनसेचुरेटेड और सैचुरेटेड फैट्स का सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन मौजूद है। राइस ब्रान ऑयल का सेवन करने से दिल के रोगों का खतरा कम हो सकता है।

राइस ब्रान ऑयल एक्जिमा के इलाज में मदद करता है

राइस ब्रान ऑयल में ड्राई स्किन और एक्जिमा जैसी स्किन स्थिति का इलाज करने वाले गुण उपलब्ध होते हैं। यह तेल ड्राई स्किन में सूजन और त्वचा पर छोटे छोटे दागों के इलाज में भी सहायक है।

डार्क स्पॉट्स दूर कर सकता है राइस ब्रान ऑयल

राइस ब्रान ऑयल त्वचा के रंग को साफ़ करता है। शरीर के काले धब्बों को ठीक करने में मदद करता है। यह स्किन की सूजन को कम करने में भी सहायक है।

वजन घटाने में मदद करता है राइस ब्रान ऑयल

राइस ब्रान ऑयल में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने वाले गुण मौजूद होते हैं जिस के कारण यह वजन को कम करने में सहायक है। यह प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंटस से भी भरपूर है जो डाइजेशन को बढ़ाते हैं और वजन घटाने में योगदान देते हैं।

राइस ब्रान ऑयल से कम हो सकते हैं मुंहासे

राइस ब्रान ऑयल में पामिटिक एसिड होता है जो मुंहासे को ठीक करने में मदद करता है। क्योंकि मुंहासे वाली त्वचा में लिनोलिक एसिड की कमी होती हैं, इस तेल में ओलिक और लिनोलिक एसिड होते हैं जो स्वस्थ त्वचा के लिए एक और आवश्यक फैटी एसिड होता है।

बालों के लिए भी फायदेमंद होता है राइस ब्रान ऑयल

शोध मे सामने आया है कि चावल के भूसे के तेल में लिनोलिक एसिड और ऑरिजनॉल होने के कारण यह हमारे बालों को मजबूत करने में सहायक है। इस तेल में ओमेगा फैटी एसिड भी होते हैं जो बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकने में मदद करते है।

एंटी एजिंग गुणों से भरपूर राइस ब्रान ऑयल

इस तेल में स्क्वैलिन होता है जो त्वचा को टाइट करता है और त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ाता है। स्किन में झुर्रियां को कम करने में भी यह तेल मदद करता है। इसकी प्राकृतिक मॉइस्चराइजिंग खूबियों के कारण यह त्वचा में एंटी एजिंग गुण प्रदान करता है।

स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है अरंडी का तेल, झुर्रियां, फाइन लाइन्स और एजिंग को करता है कम

कैस्टर यानी अरंडी का तेल जिसको आज से नहीं, बहुत पहले से ही साबुन, कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स आदि में प्रयोग किया जाता रहा है। बहुत से लोग कैस्टर ऑयल का उपयोग करने में विश्वास रखते हैं क्योंकि यह त्वचा को प्लंपी बनाए रखने के लिए उसमें नमी और हाइड्रेशन प्रदान करता है। यह त्वचा में छोट- छोटी फाइन लाइन्स को कम करने में सहायक है। कैस्टर ऑयल समय से पहले बूढ़ा होने से स्किन को बचाता है। यह त्वचा को कोमल कर, हमारी त्वचा में ऑक्सीजन की मात्रा को पूरा करता है। साथ ही हमारी त्वचा की सभी समस्याओं को ठीक करने में भी सहायक है।

त्वचा की इलास्टिसिटी बनाए रखता है : कैस्टर ऑयल हमारी त्वचा में कोलेजन को बनाने में मदद करता है। कोलेजन आपकी त्वचा को कठोर बनाने में और एजिंग लक्षणों से बचाने में मदद करता है। यह त्वचा में डेड सेल्स को साफ करता है। जिससे त्वचा में झुर्रियां जल्दी नहीं आती और हमारी त्वचा में चमक दिखाई देती हैं।

एक अच्छा मॉइस्चराइजर है : कैस्टर ऑयल आपकी त्वचा को सॉफ्ट और स्मूद बनाने में मदद करता है। सभी तरह की स्किन के लिए हर रोज मॉइस्चराइजेशन और हाइड्रेशन जरूरी है। कैस्टर ऑयल में फैटी एसिड होते हैं जो आपकी त्वचा की भीतरी परत में जा कर भीतर से त्वचा को स्मूदनेस प्रदान करते हैं। इससे आपकी त्वचा चिकनी और कोमल बनती है।

त्वचा डिजनरेशन को रोकता है : फ्री रेडिकल्स के कारण स्किन सेल्स डिजनरेट हो जाती हैं। जिससे समय से पहले ही त्वचा में झुरियां आने लगती हैं। कैस्टर ऑयल में एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो त्वचा में झुरियां होने से रोकते हैं। कैस्टर ऑयल में मौजूद गुण आपकी त्वचा को इन हानिकारक ऑक्सीडाइजिंग एजेंट्स से बचाते हैं। कैस्टर ऑयल का उपयोग हर रोज करने से आप की बेजान त्वचा भी निखर जाती है।

त्वचा की समस्याओं को ठीक करता है

कैस्टर ऑयल त्वचा की सभी प्रकार की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। जैसे त्वचा पर दाग हो जाने पर इसका उपयोग कर सकते हैं। आपकी त्वचा को एंटी एजिंग गुण प्रदान करता है। कैस्टर ऑयल मे ओमेगा फैटी एसिड होते हैं जो आपकी त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

कैसे करें कैस्टर ऑयल का प्रयोग

- अपने चेहरे को गर्म पानी से धो कर अच्छी तरह से साफ कर लें।
- कैस्टर ऑयल को अपने हाथों की हथेलियों के बीच रगड़ कर आराम आराम से पूरे चेहरे पर लगाएं। आपके शरीर की गर्मी तेल को एक समान रूप से फैला देगी।
- इसको पूरी रात लगाए रखें और सुबह उठ कर अपना मुंह धो लें।
- हर रोज सोने से पहले कैस्टर ऑयल को अपने चेहरे पर लगाएं।
- बादाम का तेल और कैस्टर ऑयल
- आधा चम्मच बादाम का तेल
- इसके बाद इन दोनों को अच्छी तरह से मिला लें। उसके बाद अपने चेहरे को गर्म पानी से धो लें।
- फिर मिश्रण को अपनी हथेलियों के बीच रगड़ कर अपने चेहरे पर लगाएं।
- इसको रात भर लगा रहने दें और सुबह उठ कर अपना मुंह धो लें।

पेट की चर्बी कम करना चाहते हैं तो अपनाएं ये 7 दिनों का साउथ इंडियन डाइट चार्ट

आपने अब तक नार्थ इंडियन फूड के बारे में बहुत कुछ जाना होगा, लेकिन क्या आपने कभी साऊथ इंडियन फूड को वेट लॉस के लिए अपनाया है नहीं न? आपको जानकर हैरानी होगी कि करी पत्ते की महक से भरा डोसा, इडली, अचार और नारियल अखरोट की चटनी स्वाद में ही नहीं बल्कि वजन कम करने के लिए भी बेहतर विकल्प हैं।

पहला दिन

सबसे पहले सुबह 6 बजे नींबू के साथ गुनगुना पानी, नाश्ते में तीन बाजरे की इडली, सांभर, नारियल की चटनी खाएं। इसके तीन घंटे बाद अंगूर या कोई भी फल खाएं। आपको दोपहर का खाना एक बजे तक खाना है, जिसमें आप रागी बॉल्स, सब्जी, रसम और छाछ लें। शाम 4 बजे तक ग्रीन टी, बिस्किट के साथ लें और रात के खाने में हल्दी वाला दूध लें।

दूसरा दिन

सुबह 6 बजे शहद नींबू के साथ गुनगुना पानी पिएं। 7 बजे नाश्ते में दो रवा डोसा, टमाटर की चटनी, ब्लैक कॉफी और चार से पांच बादाम लें। 10 बजे एक कटोरी फल खाएं। दिन के खाने में एक कटोरी ब्राउन राइस, दो रोटी, सांबर, सलाद, छाछ लें। शाम के समय आप ब्लैक कॉफी, एक अंडा खा सकते हैं। रात के खाने में दो रोटी, मिक्स डाल, सब्जी या चिकन करी, सलाद और दही लें।

तीसरा दिन

सुबह 6 बजे भीगा हुआ मेथी दाना लें। नाश्ते में आलम पचड़ी, 4-5 बादाम और ग्रीन टी। 10 बजे एक कप ताजे कटे फ्रूट्स। दोपहर के खाने में एक कटोरी ब्राउन राइस, दाल, चुकन्दर, एक कप स्प्राउड्स, और छाछ। शाम के समय ग्रीन टी, 5-6 पिस्ता। रात के खाने में दो मल्टी ग्रेन परांठे के साथ एक कप कुरमा सब्जी, एक कटोरी मिक्स दाल और दही लें। सोते वक्त हल्दी वाला दूध जरुर लें।

चौथा दिन

सुबह 6 बजे दो चम्मच भीगी हुई मेथी का पानी पिएं। नाश्ते में एक कटोरी उपमा, एक कप ग्रीन टी लें। 10 बजे खीरा और 4 से 5 बादाम लें। दोपहर के खाने में एक कटोरी सफेद चावल, एक कटोरी लौकी की दाल, सलाद, और छाछ लें। दोपहर के खाने में एक ब्लैक कॉफी, मल्टीग्रेन बिस्किट के साथ लें। रात के खाने में दो रोटी, मिक्स वेज करी, साबुत दाल, सलाद और दही लें। सोते समय हल्दी वाला दूध लें।

पांचवा दिन

सुबह भीगे हुए मेथी दाने, नाश्ते में एक कप ग्रीन टी और एक कटोरी चेरुपयार तोरन लें। 10 बजे तीन बादाम, एक कप तरबूज का रस लें। दोपहर के खाने में एक कटोरी नारियल राइस या रोटी, पालक की दाल, फूल गोभी कोटू, सलाद, और छाछ लें। शाम के समय एक ब्लैक कॉफी, और पॉपकॉर्न लें। रात के खाने में दो रोटी, एक कटोरी डाल या चिकन करी, बेंदाकायी गोज्जू और दही लें। रात को सोते समय हल्दी वाला दूध लें।

छठा दिन

सुबह 6 बजे एक कप गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पिएं। नाश्ते में एक कप फिल्टर कॉफी, दो से तीन इडियप्पम, एक कटोरी अंडा करी। 10 बजे एक फल, दो बादाम लें। दोपहर के खाने में एक कटोरी सफेद चावल, एक कप इडली, सांबर, सेवई हलवा और दही लें। दोपहर के खाने में आधा कप ब्राउन राइस, एक कटोरी चिकन या मशरूम करी, सलाद, दही और आखिर में डार्क चॉकलेट लें। सोते समय हल्दी वाला दूध लें।

सातवां दिन

सुबह 6 बजे मेथी दाने का पानी पिएं। नाश्ते में एक कटोरी पोंगल, नारियल की चटनी और ग्रीन टी लें। 10 बजे नारियल पानी पिएं। दोपहर के खाने में आधी कटोरी सफेद चावल, एक कटोरी करेला, फिश या ममीदिकाया ग्रेवी, दो रोटी, सलाद और दही लें। वहीं शाम के समय ग्रीन टी और अंकुरित मूंग दाल लें। रात में खाने में दो रोटी, एक कप पालक की दाल, चुकन्दर, सलाद और दही लें। सोते समय हल्दी वाला दूध सोने से पहले जरुर लें।

भारत के पास सिर्फ 4-5 दिन का रणनीतिक तेल भंडार: पेट्रोल-एलपीजी की कीमतों पर दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, कंसल्टेंसी फर्म ने भारत को भविष्य के संकटों से बचने के लिए एक बड़ा रणनीतिक भंडार तैयार करने की चेतावनी दी है। फर्म की मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास वर्तमान में केवल 4-5 दिनों की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए ही कच्चा तेल रणनीतिक भंडार में है, जो आम लोगों की जेब पर पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और खाद की कीमतों में भारी उछाल के रूप में सीधा असर डाल सकता है।

रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में जारी संकट को बड़ी वजह माना गया है, जिसने भारत की आयात पर अत्यधिक निर्भरता को उजागर किया है। कंसल्टेंसी फर्म का कहना है कि अगर वैश्विक संकट लंबा खिंचता है, तब ईंधन की बढ़ती कीमतें सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और रोजमर्रा के खर्चों को भी महंगा करेगी। विशेष रूप से, महंगे उर्वरक सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा देने वाले हैं, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है।

भारत के सीमित भंडार की तुलना में चीन और जापान जैसे देशों के पास कहीं अधिक बड़े रणनीतिक भंडार मौजूद हैं। इस गंभीर स्थिति को देखकर मोदी सरकार को पांच प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, खाद, रेयर अर्थ मटेरियल, जरूरी दवाइयां और मेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स में बड़े रिजर्व बनाने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन भंडारों से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होने पर भी देश में जरूरी सामान की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

अप्रैल 2026 में वैश्विक कच्चे तेल की औसत कीमत 103.9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो जुलाई 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। कंसल्टेंसी फर्म ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतों में लंबे समय तक वृद्धि भारत के चालू खाता घाटे और महंगाई दोनों को बढ़ा सकती है, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए, रिपोर्ट में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) और इंडो-पैसिफिक रूट्स को मजबूत करने की वकालत की गई है। साथ ही, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन एनर्जी और घरेलू ऊर्जा उत्पादन को तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया गया है, ताकि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो सके। कंसल्टेंसी फर्म का स्पष्ट मानना है कि मौजूदा वैश्विक हालात इस बात को पुख्ता करते हैं कि अब केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। खासकर भारत जैसे विशाल आयात-निर्भर देश के लिए भविष्य के अप्रत्याशित झटकों से निपटने के लिए पहले से तैयारी करना अत्यंत आवश्यक है।

केरल विधानसभा में वंदे मातरम के अधूरे गान पर राज्यपाल अर्लेकर ने जाहिर की नाराजगी

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने केरलम सरकार के नीतिगत भाषण के दौरान वंदे मातरम के पूर्ण गायन न होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने इस उचित प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताकर कहा कि राज्यपाल की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत का पूरा गायन अनिवार्य है। विधानसभा सत्र से लौटने के बाद राज्यपाल अर्लेकर ने स्पष्ट किया कि सदन में गीत केवल बजाया गया, गाया नहीं गया, और वह भी अधूरा। उन्होंने बताया कि उन्होंने इसबारे में विधानसभा अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन से पहले ही बात कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि इस मुद्दे का उचित समाधान निकलेगा। इस घटना पर भाजपा ने भी कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कझाक्कुट्टम विधायक वी. मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि यह न केवल राज्यपाल का बल्कि वंदे मातरम और लोकसभा का भी अपमान है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कि राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पूर्ण गायन होना चाहिए, केरल विधानसभा में इसका पालन नहीं किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने इसके लिए वी. डी. सतीशान के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार को जिम्मेदार मानकर कहा कि यह जमात-ए-इस्लामी और सीपीआई (एम) के दबाव में किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार वंदे मातरम को धर्मनिरपेक्षता के अनुरूप नहीं मानती। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है, जहां राष्ट्रीय गीतों के प्रोटोकॉल और राजनीतिक मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

महिला वॉशरूम में मिला सीक्रेट कैमरा, सरकारी दफ्तर में मचा हड़कंप

जगतसिंहपुर ((एजेंसी)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में स्थित जिला ग्रामीण विकास एजेंसी कार्यालय में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यहां महिला वॉशरूम में संदिग्ध सीक्रेट कैमरा मिलने से सरकारी दफ्तर में हड़कंप मच गया। घटना सामने आने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि वित्त विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारी मधुस्मिता सामंतराय जब वॉशरूम में पहुंचीं, तभी उन्हें एक संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस दिखाई दिया। डिवाइस नीचे गिरा हुआ था, जिससे शक होने पर उन्होंने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध कैमरे को जब्त कर लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। तिरतोल के उप पुलिस अधीक्षक अजय कुमार दास ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई गई है। कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कैमरा किसने और कब लगाया। डिजिटल फॉरेंसिक टीम यह जांच कर रही है कि कैमरे में कोई रिकॉर्डिंग मौजूद है या नहीं और कहीं डेटा किसी अन्य डिवाइस में ट्रांसफर तो नहीं किया गया। घटना के बाद महिला कर्मचारियों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कमजोर पड़ सकता है मानसून, अल नीनो बढ़ा रहा चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की दस्तक को लेकर जहां अच्छी खबर सामने आ रही है, वहीं मौसम विभाग की चेतावनी ने चिंता भी बढ़ा दी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से केरल तट की ओर बढ़ रहा है और समय से पहले पहुंचने की संभावना जताई गई है। लेकिन इसके साथ ही इस वर्ष देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान भी लगाया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रशांत महासागर में विकसित हो रही 'अल नीनो' स्थिति भारत के मानसून को कमजोर कर सकती है। अल नीनो के प्रभाव से बारिश कम होने और गर्मी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस बार मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से नीचे रह सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य भारत के कई इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है, जबकि कुछ क्षेत्रों में अचानक भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग ने जून से कई राज्यों में लू के बढ़ते खतरे की चेतावनी भी दी है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर खेती, जल संकट और महंगाई पर पड़ सकता है। देश की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है और कम बारिश से फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

नाबालिग से गैंगरेप का आरोपी दरोगा अरेस्ट

कानपुर(एजेंसी)। कानपुर में नाबालिग लडक़ी से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्या को पुलिस 144 दिन बाद गिरफ्तार कर सकी। आरोपी दरोगा पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोप है कि 5 जनवरी को दरोगा ने यूट्यूबर शिवबरन सिंह के साथ मिलकर सचेंडी क्षेत्र निवासी 14 साल की लडक़ी के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद पुलिस ने यूट्यूबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि आरोपी दरोगा फरार चल रहा था। पीड़ित लडक़ी के मुताबिक, 5 जनवरी की रात करीब 9.30 बजे वह शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान भीमसेन चौकी में तैनात दरोगा अमित कुमार मौर्या और यूट्यूबर शिवबरन यादव ने उसके साथ गैंगरेप किया। करीब 45 मिनट तक उसके साथ दरिंदगी हुई। मामले में किशोरी की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पूर्व सपा नेता नवाब सिंह को 8 साल की सजा

कन्नौज (एजेंसी)। नाबालिग से रेप के आरोपी और पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव और उसके भाई नीलू को गैंगस्टर मामले में 8-8 साल की सजा हुई है। कन्नौज कोर्ट ने शुक्रवार को इसी मामले में सहआरोपी पूजा तोमर को भी 6 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने नवाब और नीलू पर 10-10 लाख रुपए और पूजा तोमर पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। नवाब सिंह यादव को दो साल पहले 15 साल की नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित को पूजा तोमर नवाब सिंह के पास लेकर पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे सह-आरोपी बनाया था। जांच में सामने आया कि नवाब सिंह के भाई नीलू ने साक्ष्य मिटाने और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने नीलू और नाबालिग की रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर ओडिशा में अलर्ट, सीमावर्ती जिलों में बढ़ाई निगरानी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियान के बाद अब ओडिशा सरकार भी सतर्क हुई है। ओडिशा सरकार ने पश्चिम बंगाल से सटी सीमाओं वाले जिलों में संभावित घुसपैठ को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। खासतौर पर बालासोर और मयूरभंज जिलों में सुरक्षा एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश हैं। यह कदम तब उठाया गया, जब उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट उप-मंडल स्थित हाकिमपुर जांच चौकी पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों के जुटने की खबर सामने आई। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पूर्वी परिक्षेत्र) पिनाक मिश्रा ने कहा कि बंगाल में कार्रवाई के चलते संदिग्ध घुसपैठिए दूसरे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं। इसके बाद उनके ओडिशा में प्रवेश की आशंका को देखकर राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ जलमार्गों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है और संबंधित पुलिस थानों को सतर्क किया गया है। मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया जारी है। बालासोर जिले के भोगराई और जलेश्वर ब्लॉक पश्चिम बंगाल के कई जिलों से जुड़े हुए हैं, जबकि मयूरभंज की सीमा भी पश्चिम मेदिनीपुर से लगती है। इसकारण इन इलाकों में अतिरिक्त चौकसी बरती जा रही है। इस मुद्दे पर ओडिशा की राजनीति भी गरमा गई है। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि घुसपैठियों की पहचान और निर्वासन के लिए अभियान पहले से चलाया जा रहा है।

राष्ट्रपति बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे मिन आंग ह्लाइंग

-चीन को छोड़ भारत को दे रहे प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिन आंग ह्लाइंग म्यांमार के राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत आने वाले हैं। रविवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले मिन आंग ह्लाइंग की यह यात्रा रणनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खास बात यह है कि चीन के साथ करीबी संबंधों के बावजूद उन्होंने अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना है, जिसे बदलते क्षेत्रीय भू-राजनीतिक समीकरणों में अहम संकेत माना जा रहा है।

यहां बताते चलें, कि मिन आंग ह्लाइंग ने 10 अप्रैल 2026 को म्यांमार के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह सैन्य जुंटा के प्रमुख के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे थे। भारत और म्यांमार के बीच 1,600 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है, जो पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा और उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियों के कारण हमेशा संवेदनशील रही है। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हिस्सा लिया था और उसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। बताया जा रहा है कि इस यात्रा में दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, विकास और कनेक्टिविटी जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार के 'मिशन 2029' में म्यांमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इस मिशन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद का पूरी तरह खात्मा करना है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई उग्रवादी संगठन वर्षों से म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पनाह लेते रहे हैं। इनमें एनएससीएन, उल्फा और कई मणिपुरी उग्रवादी समूह शामिल हैं। भारत और म्यांमार के बीच बेहतर तालमेल से सीमा पार हथियारों की तस्करी, नार्को-टेररिज्म और उग्रवाद पर प्रभावी नियंत्रण संभव माना जा रहा है। इससे पहले भारतीय सुरक्षा बल म्यांमार में उग्रवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई भी कर चुके हैं। हाल ही में तत्कालीन नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी की म्यांमार यात्रा भी द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी गई थी।

विधानसभा चुनावों में हार के बाद सक्रिय हुआ इंडिया गठबंधन, जून में हो सकती है बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों को मिली हार के बाद इंडिया गठबंधन एक बार फिर सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं की अहम बैठक जून के पहले सप्ताह में हो सकती है। माना जा रहा है कि यह बैठक छह जून को आयोजित की जा सकती है।

पश्चिम बंगाल और असम में मिली हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है। ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाने की मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट होना होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि

हालिया चुनाव परिणामों ने साफ संकेत दिया है कि भारतीय जनता पार्टी लगातार मजबूत हो रही है, जबकि कई क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ी है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एम. के. स्टालिन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और बिहार में तेजस्वी यादव को चुनावी झटके लगे हैं। वहीं कांग्रेस ने केरल में वापसी कर अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत दिया है। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित बैठक में संसद की रणनीति, राज्यों में सीटों का तालमेल और राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा अभियान को लेकर चर्चा हो सकती है। विपक्षी दलों के बीच समन्वय की कमी बिहार चुनाव में भी दिखाई दी थी, जहां कई सीटों पर सहयोगी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते नजर आए थे। इंडिया गठबंधन का गठन वर्ष 2023 में हुआ था और इसकी पहली बैठक पटना में आयोजित की गई थी। अब आगामी बैठक को विपक्षी राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब निकाय चुनाव: दूसरे और तीसरे नहीं चौथे नंबर पर भगवा दल

-नए अध्यक्ष को कमान मिलते ही लगा करारा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में बड़े बदलाव की उम्मीदों पर निकाय चुनाव के नतीजों ने पानी फेर दिया है। केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के महज 24 घंटे के अंदर नगर निकाय चुनाव परिणामों ने भगवा दल को तगड़ा झटका दिया है। भाजपा ने ढिल्लों के रूप में एक नया चेहरा पेश कर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और विधानसभा चुनाव से पहले सकारात्मक माहौल बनाने की उम्मीद की थी, लेकिन इन नतीजों ने उन उम्मीदों पर ठंडा पानी डाल दिया। पार्टी पूरे राज्य में सिर्फ 52 सीटों पर सिमट गई, जो उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इन परिणामों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा न सिर्फ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से पीछे रही, बल्कि अन्य उम्मीदवारों और निर्दलियों से भी पिछड़ गई। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब में भाजपा अभी भी अपनी जमीन तलाश रही है और भगवा दल को राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए लंबा सफर तय करना है। किसान आंदोलन के बाद बनी दूरी, स्थानीय नेतृत्व का अभाव और क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दों की गहरी समझ की कमी पार्टी को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। अब नए अध्यक्ष ढिल्लों के सामने सिर्फ संगठन चलाने की नहीं, बल्कि पार्टी को कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने और जनता का विश्वास फिर से जीतने की बड़ी चुनौती खड़ी है। नगर निकाय चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए केवल हार नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी की घंटी हैं। पंजाब जैसे राज्य में जहां लोकल और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श पर हावी रहते हैं, वहां भाजपा अभी तक एक मजबूत जनाधार स्थापित नहीं कर सकी है। इन चुनावों में आम आदमी पार्टी ने फिर अपनी संगठनात्मक शक्ति और लोकल स्तर पर मजबूत पकड़ का प्रदर्शन किया। भगवंत मान सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी लोक-लुभावन योजनाओं ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पार्टी को जनसमर्थन दिलाया। वहीं, कांग्रेस अपनी पारंपरिक ताकत बचाने में सफल रही और अकाली दल भी भाजपा से बेहतर प्रदर्शन कर उससे आगे निकलने में कामयाब रहा। इसके बाद भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ चेहरा बदलने से पंजाब में उसके हालात बदल जाएंगे? ढिल्लों को अब केवल कार्यकर्ताओं में भरोसा बहाल करने की नहीं, बल्कि बूथ स्तर से लेकर किसान और सिख समुदाय तक पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी होगी। पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव कर केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर लोकल मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, व्यापार और नशे की समस्या पर ठोस कार्य करना होगा।

इबोला से निपटने बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष केंद्र तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने इबोला वायरस के संक्रमण की आशंका को देखते हुए निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को और मजबूत करना शुरू कर दिया है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण के मद्देनजर भारत में भी एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं। बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष केंद्र तैयार किए गए हैं ताकि किसी भी संदिग्ध स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बेंगलुरु स्थित राजीव गांधी चेस्ट डिजीज इंस्टीट्यूट को आइसोलेशन सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। यहां इबोला के कुछ संदिग्ध मामलों के सामने आने के बाद निगरानी बढ़ा दी गई है। संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच पहले एनआईवी बेंगलुरु में की जाएगी और उसके बाद पुष्टि के लिए एनआईवी पुणे भेजा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई भी पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्राओं और व्यापारिक गतिविधियों को देखते हुए सरकार पूरी सतर्कता बरत रही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इबोला एक बेहद गंभीर और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसे इबोला वायरस डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। यह संक्रमण संक्रमित व्यक्ति या जानवर के खून, अंगों और शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थों के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। संक्रमित कपड़े, बिस्तर, सुई और अन्य वस्तुएं भी संक्रमण फैलाने का माध्यम बन सकती हैं। स्वास्थ्यकर्मियों और संक्रमित मरीजों के करीबी लोगों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इबोला के लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के दो से इक्कीस दिनों के भीतर दिखाई देने लगते हैं। शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल हैं। इसके बाद मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, आंखों का लाल होना और शरीर पर लाल चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गंभीर स्थिति में आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव भी हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दी है। संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाए रखने, हाथों को नियमित रूप से साफ करने, मास्क और ग्लव्स का उपयोग करने तथा संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा से बचने की अपील की गई है। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर जांच, इलाज और आइसोलेशन से संक्रमण को फैलने से काफी हद तक रोका जा सकता है। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इबोला वायरस के बढ़ते खतरे को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातस्थिति घोषित किए जाने के बाद भारत में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

पुणे शराब कांड : आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला, सिर्फ दिखावे की गिरफ्तारी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में जहरीली शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। श्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करती है है। उन्होंने पुणे के हालिया पोर्श कार हादसे के आरोपी की जेल से रिहाई के बाद जश्न मनाने के वीडियो का भी जिक्र कर कहा, अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तब हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं।

पिछले 48 घंटों में हुई इन मौतों ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों ने जान गंवाई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पीड़ितों में गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द जैसे समान लक्षण दिखाई दिए, जो मेथनॉल विषाक्तता के शुरुआती लक्षण हैं। शुरुआत में पुलिस ने इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस मामले में योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया, जिसने पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और वानखेड़े को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने पुष्टि की कि आरोपी ने शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे पूछताछ जारी है।

पिंपरी-चिंचवड शहर के पुलिस आयुक्त विनय चौबे ने बताया कि वानखेड़े के अलावा पांच आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, जबकि दो अन्य उत्पाद शुल्क विभाग की हिरासत में हैं। जांच को बाद में क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लोगों का आरोप है कि दापोड़ी, फुगेवाड़ी और हडपसर जैसे इलाकों में अवैध देसी शराब की बिक्री बेरोकटोक जारी थी और पुलिस व उत्पाद शुल्क अधिकारी इस पर आंखें मूंदे हुए थे। पीड़ितों के परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ ही मिनटों बाद उन्हें उल्टी और पेट में तेज दर्द होने लगा था।

भारत-फ्रांस राफेल डील: यूक्रेन की चिंता और सोर्स कोड पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सैन्य इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी में है, इसके तहत वह फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा। यह सौदा करीब 35 से 40 अरब डॉलर का हो सकता है। भारत ने लेटर ऑफ़ रिक्वेस्ट (एलओआर) को मंजूरी दे दी है, इस जल्द ही पेरिस भेजा जाएगा। इस समझौते की एक खास शर्त यह है कि 114 विमानों में से 90 का निर्माण स्थानीय शर्तों के तहत भारत में ही होगा, जिसके लिए 50 प्रतिशत पुर्ज़ों का उत्पादन देश में ही होना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जून के अंत में प्रस्तावित फ्रांस यात्रा से पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख अगले महीने फ्रांस का दौरा कर रहे है। इस साल के अंत तक इस अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत राफेल के वेपन कंट्रोल सिस्टम इंटरफ़ेस तक पहुँच बनाकर अपने स्वयं के हथियार, जैसे अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल और ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल को एकीकृत करने पर भी बातचीत कर रहा है।

हालांकि, भारत और फ्रांस के बीच होने वाले बड़े सौदे से यूक्रेन की चिंताएँ बढ़ी हैं। दरअसल, यूक्रेन की वायु सेना ने स्वयं 100 राफेल जेट खरीदने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन अब ये योजनाएँ अनिश्चित नज़र आ रही हैं, मुख्यतः फंडिंग के मुद्दे के कारण। भारतीय महाडील के तहत भारत में ही राफेल की उत्पादन लाइन का निर्माण होगा, जिससे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन पर मौजूदा ऑर्डर का बोझ और बढ़ जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, डसॉल्ट एविएशन के पास पहले से ही करीब 220 राफेल विमानों का ऑर्डर लंबित है, और कंपनी सालाना करीब 26-30 विमान ही बना पाती है। यदि भारत का यह विशाल ऑर्डर भी जुड़ता है, तब डसॉल्ट का बैकलॉग 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगा। इससे फ्रांस के अपने रक्षा बेड़े और यूक्रेन या अन्य यूरोपीय सहयोगियों को हथियारों की डिलीवरी में भारी देरी हो सकती है।

इन चिंताओं के बीच, यूक्रेनी अख़बार ने एक प्रोपेगेंडा फैलाकर आरोप लगाया है कि भारत फ्रांस पर राफेल के सॉफ्टवेयर इंटरफेस यानी सोर्स कोड तक पहुँच देने का दबाव बना रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय इंजीनियरों को ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों को विमान में सीधे जोड़ने में सक्षम बनाना है। अख़बार ने दावा किया है कि फ्रांस और पश्चिमी देशों को डर है कि चूंकि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, यदि भारत को राफेल के गुप्त सॉफ्टवेयर कोड मिल जाते हैं, तब ब्रह्मोस एकीकरण के बहाने रूसी इंजीनियर फ्रांस के सबसे उन्नत राफेल एफ4/एफ5 विमानों के कॉम्बैट एल्गोरिदम और रडार तकनीक को डीकोड या लीक कर सकते हैं, जिसका सीधा फायदा यूक्रेन युद्ध में रूस को मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार : बेसबॉल बैट से हमला करने का आरोप, पुलिस ने बताया अवैध अप्रवासी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हुए एक भारतीय नागरिक को कथित तौर पर बेसबॉल बैट से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। धवल अमरतभाई पटेल को सबसे पहले 16 मई को मैसाचुसेट्स के वॉर्सेस्टर पुलिस विभाग ने गिरफ्तार किया था। उस पर खतरनाक हथियार से हमला और मारपीट करने का आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जिस शराब की दुकान में पटेल काम करता था वहां एक ग्राहक के साथ उसकी बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उसने बेसबॉल बैट उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मैसाचुसेट्स के सैंक्चुअरी पॉलिटिशियंस ने आईसीई अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और पटेल को बिना सूचना दिए जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद न 18 मई को पटेल को गिरफ्तार कर लिया। मुताबिक, पटेल ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था। कार्यवाहक सहायक सचिव लॉरेन बिस ने कहा कि भारत से आया यह अवैध व्यक्ति सोचता था कि वह बेसबॉल बैट से लोगों पर हमला कर सकता है। सैंक्चुअरी नेताओं ने उसे गिरफ्तार होने के बाद भी रिहा कर दिया।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की 'एशिया-पैसिफिक रीजनल सिक्योरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा विवाद अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सीजफायर के बीच ईरान पर दूसरा हमला, रक्षात्मक अमेरिकी कार्रवाई के बीच ट्रंप ने डील के दिए संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ इस सप्ताह अपना दूसरा रक्षात्मक हमला किया। अधिकारियों ने ईरानी सेना की आक्रामक गतिविधि देखी थी। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सेना ने चार ईरानी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने एक ऐसे अड्डे पर भी हमला किया जो पांचवां ड्रोन लॉन्च करने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि ये ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान 'कमजोर स्थिति में बातचीत कर रहा है'। उन्होंने जोर दिया कि नवंबर में होने वाले मध्यवर्ती चुनाव उन्हें जल्दबाजी में समझौता करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। यह संघर्ष लगभग तीन महीने पुराना है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अशांति फैली है। मंत्रिमंडल की बैठक की शुरुआत में ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया कि एक समझौता करीब है। उन्होंने सप्ताहांत में कहा था कि उनके प्रशासन और तेहरान ने 'बड़े पैमाने पर बातचीत' की है। हालांकि, बातचीत अभी भी अनिश्चित स्थिति में है। अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते की तलाश में है। इससे ईरान की परमाणु क्षमता कम होने का विश्वसनीय तर्क मिलेगा। यह रिपब्लिकन के लिए राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय संघर्ष को समाप्त करेगा। पेंटागन ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च स्थलों और माइन बिछाने वाली नौकाओं पर 'रक्षात्मक' हमले किए थे। अमेरिका ने कहा कि उसने सप्ताह भर के युद्धविराम के बावजूद 'संयम' से काम लिया। ईरान ने इस कार्रवाई को 'बदनीयती और अविश्वसनीयता' का संकेत बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझौते से कई महत्वपूर्ण मुद्दे बाद के लिए टल जाएंगे। इससे रिपब्लिकन राष्ट्रपति को पहले ही कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके कुछ समर्थकों ने भी आलोचना की है। उनका मानना है कि ईरान के कट्टरपंथी नेता संघर्ष से कमजोर होकर भी मजबूत होकर उभरेंगे। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अभी भी काम बाकी है। उन्होंने निश्चितता के साथ कहा कि दोनों पक्ष वहां पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, 'वे बहुत समझौता करना चाहते हैं।

महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा? अदृश्य दबाव पर इस अध्ययन में बड़ा खुलासा

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया तेजी से बदल रही है, महिलाएं नौकरी, कारोबार और हर पेशे में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अब भी सबसे ज्यादा उन्हीं के कंधों पर है। यही वजह है कि महिलाओं में मानसिक थकावट और भावनात्मक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। मेलबर्न यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लिया रूपैनर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि महिलाओं पर केवल घर के काम का दबाव नहीं है, बल्कि परिवार, रिश्तों, बच्चों और भविष्य को लेकर लगातार चलने वाली मानसिक चिंता उन्हें भीतर से थका रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ऐसा दबाव है जो दिखाई नहीं देता, लेकिन महिलाओं की मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल रहा है।

आखिर महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा : अध्ययन के मुताबिक अब पुरुष पहले के मुकाबले घर के कामों में ज्यादा मदद कर रहे हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखने की मानसिक जिम्मेदारी अब भी महिलाओं के हिस्से में ही आती है। कौन-सा सामान खत्म हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, परिवार में किसकी तबीयत खराब है, रिश्तेदारों से कब बात करनी है और भविष्य की क्या योजना बनानी है, ऐसी तमाम बातें महिलाओं के दिमाग में लगातार चलती रहती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने कहा कि घर का कोई काम खत्म हो सकता है, लेकिन मानसिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं।

यही लगातार चलने वाला मानसिक दबाव महिलाओं को भावनात्मक रूप से थका देता है।

क्या अपराधबोध महिलाओं की परेशानी बढ़ा रहा : अध्ययन में यह भी सामने आया कि महिलाएं खुद के लिए समय निकालने में भी अपराधबोध महसूस करती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने बताया कि कई महिलाएं अपनी जरूरतों से ज्यादा परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। शोध के दौरान कुछ महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन अधिकांश महिलाएं वह पैसा खुद पर खर्च करने से हिचक रही थीं। वे उसे परिवार के लिए इस्तेमाल करना चाहती थीं। हालांकि जब महिलाओं ने खुद पर समय और संसाधन खर्च किए तो उनके मानसिक तनाव में कमी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं को आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर बाहरी मदद लेने को लेकर अपराधबोध छोड़ना होगा।

मानसिक दबाव किन-किन रूपों में सामने आता : अध्ययन में महिलाओं के मानसिक बोझ को आठ हिस्सों में बांटा गया है। इसमें घर की योजना बनाना, परिवार की भावनात्मक देखभाल करना, रिश्तों को संभालना और त्योहारों या खास मौकों को यादगार बनाने की जिम्मेदारी शामिल है। इसके अलावा परिवार के सपनों को पूरा करने की चिंता, खुद को फिट रखने का दबाव और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार सोच भी महिलाओं पर असर डालती है। सबसे बड़ा दबाव यह होता है कि महिलाएं हमेशा यह सोचती रहती हैं कि वे परिवार और समाज के लिए पर्याप्त कर पा रही हैं या नहीं। यही लगातार चलने वाली मानसिक प्रक्रिया उन्हें भावनात्मक रूप से थका देती है।

क्या बराबरी से बदल सकती है स्थिति : विशेषज्ञों का कहना है कि जब महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और फैसले लेने का अधिकार मिलता है, तब घरों में जिम्मेदारियों का बंटवारा बेहतर होता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और महिलाओं का मानसिक तनाव कम होता है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि परिवारों को अब घर के अदृश्य मानसिक श्रम को समझना होगा। केवल खाना बनाना या सफाई करना ही काम नहीं है, बल्कि परिवार की हर छोटी-बड़ी चिंता को लगातार संभालना भी बड़ा मानसिक श्रम है। अगर घरों में जिम्मेदारियां बराबर बांटी जाएं तो महिलाओं की मानसिक स्थिति बेहतर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली में महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे बाहर नौकरी भी कर रही हैं और घर की मानसिक जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। यही कारण है कि तनाव, चिंता और मानसिक थकावट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अध्ययन ने यह संकेत दिया है कि समाज को अब महिलाओं के इस अदृश्य मानसिक श्रम को गंभीरता से समझना होगा। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका असर परिवार, रिश्तों और समाज की मानसिक सेहत पर भी पड़ सकता है।

अमेरिका में नहीं इस देश में रहेंगे संक्रमित अमेरिकी, इबोला के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की नई योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अब विदेशों में इबोला वायरस के संपर्क में आने वाले अमेरिकी नागरिकों को इलाज के लिए सीधे अमेरिका लाने के बजाय केन्या भेजने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, केन्या में एक नया क्वारंटीन और उपचार केंद्र बनाया जाएगा, जहां इबोला संक्रमित मरीजों का इलाज किया जाएगा।

तीन विभागों की मदद से तैयार किया गया केंद्र : यह केंद्र अमेरिकी रक्षा विभाग, विदेश विभाग और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की साझेदारी से तैयार किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि कांगो जैसे देशों में इबोला से संक्रमित लोगों को लंबी मेडिकल उड़ानों के जरिए अमेरिका लाने की जरूरत न पड़े और उन्हें जल्द इलाज मिल सके। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केंद्र केन्या में कहां बनेगा और क्या केन्या सरकार ने इसे मंजूरी दी है। केन्या के स्वास्थ्य मंत्री एडन डुएले ने पुष्टि की कि अमेरिका और केन्या के बीच इबोला से निपटने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि अमेरिकी मरीजों के लिए विशेष उपचार केंद्र बनाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग केन्या के कानूनों और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही होगा। विशेषज्ञों का

मानना है कि इबोला मरीजों को कम से कम यात्रा करानी चाहिए क्योंकि इससे उनकी हालत बिगड़ सकती है। लेकिन कुछ अमेरिकी डॉक्टरों ने चिंता जताई है कि केन्या में बनने वाला केंद्र अमेरिका जैसी उन्नत सुविधाएं नहीं दे पाएगा। इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा बीमारी मानी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। वहां करीब 1000 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं और 220 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका जताई गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति पहले भी इबोला संक्रमित अमेरिकियों को अमेरिका लाने का विरोध कर चुके हैं। 2014 में उन्होंने कहा था कि संक्रमित लोगों का इलाज 'वहीं' किया जाना चाहिए। अब उनकी सरकार इसी तरह की योजना पर काम कर रही है। इस बीच अमेरिका ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की जांच भी बढ़ा दी है। कई बड़े अमेरिकी एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन लोगों ने पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उनके अमेरिका प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

बांग्लादेश में गहरा संकट: शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं। उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है। अवामी लीग की चिंताएं पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों और घरों दोनों में सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

भारत में एआई-दुर्लभ खनिज क्षेत्र में निवेश और सहयोग करेगा कनाडा; नवंबर में दिल्ली आएगा दल

टोरंटो, एजेंसी। एआई, दुर्लभ खनिज समेत कई क्षेत्रों में सहयोग-निवेश के लिए कनाडाई कंपनियां भारत में दस्तक देंगी। कनाडा इस वर्ष नवंबर में टीम कनाडा ट्रेड मिशन भारत भेजेगा। यह एलान कनाडाई व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ किया। गोयल स्वच्छ ऊर्जा व एआई क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी के लिए कनाडाई निवेशकों के साथ बैठक की। उन्होंने कनाडा के कॉर्पोरेट प्रमुखों संग द्विपक्षीय कार्ययोजना भी तैयार की।

केंद्रीय मंत्री ने मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष मैक्स कोयुने, फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमि. के अध्यक्ष-सीईओ प्रेम वात्सा, समेत विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। इस दौरान उन्होंने वित्तीय सेवाओं, अवसंरचना, सतत कृषि, बैंक-बीमा और दुर्लभ खनिज

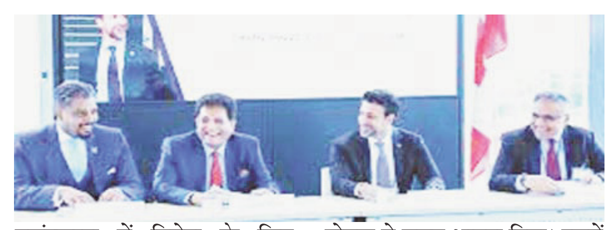

प्रसंस्करण में निवेश के लिए आमंत्रित किया। कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने कहा, भारत में प्रस्तावित मिशन का लक्ष्य कनाडा की कंपनियों को भारत ले जाकर एआई, दुर्लभ खनिज, परमाणु व नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल अवसंरचना तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशना है।

भारत-कनाडा व्यापार गलियारे की मजबूती पर चर्चा : वर्ल्ड ट्रेड सेंटर टोरंटो में कनाडा-इंडिया बिल्डिंग ब्रिजेस कार्यक्रम में गोयल ने मुख्य भाषण दिया। इसमें उन्नत विनिर्माण, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा तथा तेल-गैस से जुड़े 150 से अधिक व्यवसायिक प्रतिनिधियों, निवेशक समूहों और उद्योग संगठनों ने भाग लिया। ब्रैम्पटन के पियर्सन कन्वेंशन सेंटर में पीयूष गोयल ने भारत-कनाडा व्यापार गलियारे को मजबूत करने पर चर्चा की।

आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण पर फोकसः कंपनी प्रमुखों के साथ मुलाकात के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय बाजार में कनाडाई कंपनियों के दीर्घकालिक संचालन का मूल्यांकन किया और उभरते औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में गहन भागीदारी को आमंत्रित किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन अवसंरचना, सतत कृषि और नवाचार में सहयोग को गहरा करने पर भी अपनी बात रखी। कनिष्क स्मारक में दी श्रद्धांजलि पीयूष गोयल ने कहा, भारतीय प्रवासी समुदाय न केवल भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने में, बल्कि मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कनाडा में भारतीय व्यवसायों को बढ़ावा देने में भी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हंबर बे पार्क स्थित कनिष्क स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से बातचीत की और एयर इंडिया एआई 182 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कनाडा में तिरंगे का अपमान: खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी।

कार्यक्रम में जा रहे थे उच्चायुक्त : घटना उस समय हुई जब

भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

पन्नू का करीबी है गोसल : यह वही इंदरजीत सिंह गोसल है जिसे खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उसका नाम लगातार सामने आता रहा है। हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम जुड़ चुका है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है। मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। भारतीय समुदाय में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कनाडा निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने बाद में कनाडाई संस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत है और उनके नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का कोई आधार नहीं है। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और भारत विरोध को वहां राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है।

तेहरान का नया फरमान: इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद, युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या हैं ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध : ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी फारसी, वीओए फारसी, मनोटो टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है। इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है।

आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर : लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, गेमर, छोटे कारोबारी और डिजिटल सेवाओं से जुड़े लोग आर्थिक संकट में पहुंच गए। कई लोगों को अपना सामान बेचना पड़ा या दूसरे काम तलाशने पड़े। इंटरनेट बंद होने से परिवारों का संपर्क भी टूट गया। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से महीनों तक बात नहीं हो सकी। सरकार की पाबंदियों के दौरान वीपीएन की कीमतें भी कई गुना बढ़ गई थीं, जिससे आम लोग खुले इंटरनेट तक पहुंच नहीं बना सके। ईरानी सरकार ने इंटरनेट बंदी और मीडिया नियंत्रण को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर सही ठहराया। अधिकारियों का कहना था कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद सैन्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। हालांकि आलोचकों का आरोप है।

गाजा में इस्राइल का बड़ा हमला, हमास के दो बड़े कमांडर ढेर; नए सैन्य प्रमुख को भी मार गिराने का दावा

गाजा पट्टी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए दो वरिष्ठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में किए गए हवाई हमलों में हमास के बड़े ऑपरेटिव निशाने पर थे। वहीं दूसरी ओर गाजा में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने एक बार फिर पूरे इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई के बीच युद्ध और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है।

क्या हमास के नए सैन्य प्रमुख को मार गिराने का दावा किया गया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ ने दावा किया है कि उसने गाजा में हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख मोहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इस्राइल के अनुसार ओदेह सात अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश रचने वालों में शामिल था। इस्राइल का कहना है कि वह हमास के खुफिया नेटवर्क का प्रमुख भी रह चुका था और हाल ही में उसे संगठन की सैन्य कमान सौंपी गई थी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि सात अक्टूबर के हमले में शामिल हर व्यक्ति को खत्म किया जाएगा। इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

गाजा में आम लोगों पर हमलों से क्या हालात बने : जहां इस्राइल हमास पर बड़े हमलों का दावा कर रहा है, वहीं गाजा में आम लोगों की मौतों की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के मुताबिक, मध्य गाजा शहर में एक रिहायशी मकान पर हुए हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के कई इलाकों में लगातार बमबारी के कारण लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। अस्पतालों पर दबाव

बढ़ता जा रहा है और राहत सामग्री की कमी भी गंभीर चिंता बन चुकी है।

क्या लेबनान में भी बढ़ा इस्राइली हमला : आईडीएफ ने यह भी दावा किया है कि उसने पूरे दिन लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए। इस्राइल के अनुसार हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचे, कमांड सेंटर और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया। सेना ने कहा कि सिर्फ इस सप्ताह के दौरान हिजबुल्लाह के 550 ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। लेबनान सीमा पर लगातार बढ़ रही सैन्य गतिविधियों ने पूरे पश्चिम एशिया में नए संघर्ष का खतरा और बढ़ा दिया है। हिजबुल्लाह भी लगातार इस्राइल पर जवाबी हमले करने का दावा कर रहा है।

सात अक्तूबर के हमले को लेकर क्यों सख्त है इस्राइल : इस्राइल अब भी सात अक्टूबर 2023 के हमले को अपनी सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती मान रहा है। हमास के उस हमले में बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई थी। इसके बाद से इस्राइल लगातार गाजा में सैन्य कार्रवाई चला रहा है। इस्राइल का कहना है कि जब तक हमास की सैन्य ताकत पूरी तरह खत्म नहीं हो जाती, तब तक अभियान जारी रहेगा। दूसरी ओर फलस्तीन में लगातार बढ़ती तबाही और नागरिकों की मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता गहराती जा रही है। गाजा और लेबनान में तेज हुए हमलों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच पहले से जारी तनाव के बीच यह संघर्ष अब और बड़े क्षेत्रीय संकट में बदलता दिखाई दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, तेल आपूर्ति और सुरक्षा को लेकर दुनिया की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जल्द युद्धविराम की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com